CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-263
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 28 दिसम्बर 2024

आज का विचार

वक्त का तक़ाज़ा ऐसा है आज
किसका है कल किसका
होगा किसे नहीं पता ।

आरटीओ के करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल के 6 ठिकानों पर ईडी की रेड

भोपाल/जबलपुर/ग्वालियर। मध्यप्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उनके करीबियों के ठिकानों पर शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की। यह छापेमारी भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर समेत करीब 6 स्थानों पर की गई। यह रेड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई है। इसके पहले सौरभ शर्मा पर लोकायुक्तऔर आयकर विभाग ने शिकंजा कसा था। कार से 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए बरामद होने के मामले में भी ईडी जांच कर रही है। पिछले हफ्ते भोपाल स्थित सौरभ शर्मा के आवास से लोकायुक्त पुलिस ने 2.85 करोड़ रुपए बरामद किए थे। इसके बाद 20 दिसंबर को इनकम टैक्स विभाग ने भोपाल में एक कार से 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए कैश की बरामदगी की थी। इस कार का रजिस्ट्रेशन सौरभ शर्मा के बेहद करीबी चेतन सिंह गौर के नाम पर था। सूत्रों का कहना है कि दोनों मामले एक-दूसरे से संबंधित हो सकते हैं, इसलिए तथ्यों को खंगाला जा रहा है। तीन दिन पहले लोकायुक्त पुलिस द्वारा आय से अधिक संपत्ति के मामले में दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने सौरभ के विरुद्ध केस दर्ज किया था। अब भोपाल में अरेरा कॉलोनी स्थित सौरभ शर्मा के कार्यालय पर ईडी ने रेड की। वहीं जबलपुर के शास्त्री नगर में बिल्डर रोहित तिवारी के घर भी छापेमारी की गई है। बताया जा रहा है कि टीम सुबह पांच उसके घर पहुंची।

कई अहम दस्तावेज मिले ईडी की अलग-अलग टीमों ने शुक्रवार सुबह एक साथ भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में छापे मारे। सूत्रों के मुताबिक इस छापेमारी में कई अहम दस्तावेज मिले हैं। ईडी की टीम सुबह करीब 5 बजे भोपाल में अरेरा कॉलोनी ई-7 स्थित मकान नंबर 78 और 657 समेत 1100 क्वार्टर स्थित जयपुरिया स्कूल के दफ्तर पहुंची। अधिकारियों ने दीवारों और फर्श की मेटल डिटेक्टर और अन्य आधुनिक उपकरणों के साथ जांच की है। अफसरों को शकहै कि जिस तरह लोकायुक्त के छापे के दौरान सौरभ के घर में टाइल्स के नीचे ढाई किलो चांदी मिली थी, उसी तरह इन ठिकानों पर और भी सोना और चांदी छिपाकर रखा गया है।

ईडी ने ग्वालियर पुलिस को भी नहीं बताया ग्वालियर के बहोड़ापुर स्थित सौरभ शर्मा की कोठी पर सुबह 5 बजे ही पुलिस फोर्स के साथ ईडी ने दबिश दी। घर के बाहर फोर्स तैनात कर दी गई और अंदर अफसर सर्चिंग में जुट गए । हालांकि, ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह के मुताबिक रेड किसकी है, यह अभी उनको भी नहीं पता है। किसी भी जांच एजेंसी ने ग्वालियर पुलिस से संपर्क नहीं किया है। पड़ोस में रहने वाले रिटायर्ड डीएसपी मुनीष राजौरिया के मुताबिक यह डॉ. राकेश शर्मा का घर है। उनके दो लड़के सचिन और सौरभ शर्मा हैं। सचिन छत्तीसगढ़ में नौकरी करता है। सौरभ भोपाल में ही रहता है। यहां उसका बहुत कम आना-जाना होता है।

जबलपुर में प्रेस लिखी कार से पहुंची ईडी की टीम जबलपुर में शास्त्री नगर स्थित बिल्डर रोहित तिवारी के घर पर भी भोपाल से ईडी की टीम प्रेस लिखी कार से पहुंची है। जबलपुर में सौरभ शर्मा का ससुराल है। सूत्रों के मुताबिक ईडी के अधिकारियों ने रोहित के परिवार के सदस्यों से पूछताछ की। बताया जा रहा है कि सौरभ ने अपनी पत्नी दिव्या के भाई शुभम तिवारी के नाम से करोड़ों का निवेश किया है। इसके अलावा दोस्त चेतन सिंह गौर और बहनोई रोहित तिवारी के नाम भी निवेश का पता चला है। ईडी की टीम इसकी पड़ताल में जुटी है। सौरभ शर्मा के साले शुभम तिवारी के भाई पंकज तिवारी के मुताबिक सुबह भोपाल से ईडी की टीम जबलपुर स्थित हमारे घर पर आई थी। अचानक उन्होंने घर में रखे दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी। सौरभ शर्मा हमारे रिश्तेदार हैं, लेकिन उनसे हमारे कोई भी कारोबारी संबंध नहीं है। ईडी अपना काम कर रही है।

अग्रिम जमानत याचिका हो चुकी है खारिज आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका भोपाल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने गुरुवार को खारिज कर दी थी। सौरभ ने अपने वकील राकेश पाराशर के जरिए याचिका फाइल की थी। पाराशर ने अदालत में दलील दी कि आरोपी लोक सेवक नहीं है, उसे अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए। न्यायाधीश ने अपने आदेश में उसे लोक सेवक मानते हुए और अपराध की गंभीरता को देखते हुए अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया।

पूर्व पीएम का पार्थिव निगमबोध घाट पहुंचा

अंतिम संस्कार में शामिल होंगे पीएम मोदी

भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री और महान अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह को आज यानी शनिवार(28 दिसंबर) को अंतिम विदाई दी जाएगी। डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार आज सुबह 11:45 बजे निगमबोध घाट पर होगा। गृह मंत्रालय ने अंतिम संस्कार के लिए सभी प्रोटोकॉल की व्यवस्था की है। इस बीच स्मारक को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच ठन गई है। कांग्रेस ने स्मारक के लिए जगह तय ना करने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। वहीं, केंद्र ने कहा है कि स्मारक बनाया जाएगा, लेकिन इसमें कुछ वक्त लगेगा।

पूर्व प्रधानमंत्री का पार्थिव निगमबोध घाट रवाना पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पार्थिव शव निगमबोध घाट के लिए रवाना हो गया है। अंतिम यात्रा में राहुल गांधी पार्थिव के साथ चल रहे हैं। राहुल गांधी के साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पूर्व प्रधानमंत्री को चाहने वाले भी इस अंतिम यात्रा में शामिल हो रहे हैं। पार्थिव को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम यात्रा के लिए वाहन में रखा गया।

बेटी-पत्नी ने पार्थिव को दी श्रद्धांजलि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पार्थिव कांग्रेस मुख्यालय में दर्शन के लिए रखा गया है। सबसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री की बेटी और उनकी पत्नी ने पार्थिव पर पुष्प चक्र रखकर श्रद्धांजलि दी। बता दें कि मनमोहन सिंह की एक बेटी अमेरिका में रहती हैं। गुरुवार की रात मनमोहन सिंह के निधन के बाद से ही उसके इंडिया आने का इंतजार किया जा रहा था। बता दें कि मनमोहन सिंह की तीन बेटियां हैं। इनमें से दो भारत में ही रहती हैं।

पार्थिव कांग्रेस मुख्यालय पहुंचा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पार्थिव कांग्रेस मुख्यालय पहुंच गया है। उनके दिल्ली स्थित आवास से पार्थिव को कांग्रेस हेडक्वार्टर लाया गया है। इस बीच राहुल गांधी और प्रियंका गांधी कांग्रेस मुख्यालय पहुंच गए हैं। यहां पर पूर्व प्रधानमंत्री को पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि दी जाएगी। ऐसा बताया जा रहा है कि राहुल गांधी मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा के साथ ही निगमबोध घाट पहुंचेंगे।

अंतिम यात्रा के लिए सजाया गया वाहन पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा के लिए सेना की एक गाड़ी को फूलों से सजाया गया है। एक मिनी ट्रक से जुड़े फूलों से सजी एक छोटी ट्रॉलीनुमा तोपगाड़ी में पार्थिव को रखा गया। राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कई नेता अंतिम यात्रा के साथ ही निगमबोध घाट पहुंचेंगे। ट्रक और ट्रॉली दोनों को ही बेहद खुबसूरती से फूलों से सजाया गया है।

अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई देने की तैयारी शनिवार सुबह की गई। दिल्ली के निगमबोध घाट पर सेना के जवानों की टुकड़ी अंतिम विदाई देने के लिए होने वाले मिलिट्री ड्रिल की प्रैक्टिस करते नजर आए।

कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा पार्थिव पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर सुबह 8 बजे उनके आवास से कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा। यहां सुबह 8:30 से 9:30 बजे तक उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके बाद 9:30 बजे उनकी अंतिम यात्रा निगमबोध घाट के लिए रवाना होगी। डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात 9:51 बजे दिल्ली के अस्पताल में निधन हुआ। वे 92 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर देशभर में शोक की लहर है। सरकार ने सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। कांग्रेस ने भी 3 जनवरी तक अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। सुबह से ही कांग्रेस मुख्यालय पर इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई।

पार्थिव को तिरंगे में लपेटा गया पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर को शुक्रवार की रात उनके दिल्ली पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे में लपेटा गया। मनमोहन सिंह को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। उनके पार्थिव पर थल सेना के जवानों ने मिलिट्री प्रोटोकॉल का पालन करते हुए राष्ट्रीय ध्वज लपेटा। इसके बाद पार्थिव को सलामी दी।

राजकीय सम्मान के साथ आखिरी विदाई गृह मंत्रालय ने डॉ. मनमोहन सिंह को राजकीय सम्मान के साथ आखिरी विदाई देने का फैसला किया है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी उनके निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया है। कांग्रेस पार्टी ने इस मौके पर उनके लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया है।

मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड अब्दुल रहमान मक्की की मौत

नई दिल्ली। मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड लोगों में से एक हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की मौत हो गई है। उसे शुक्रवार को हार्ट अटैक आया, जिसमें उसकी मौत हो गई। मक्की का जमात-उद-दावा के कमांडर हाफिज सईद से करीबी रिश्ता था और वह उसका बहनोई था। हाफिज सदई ने अब्दुल रहमान मक्की को जमात उद दावा का डिप्टी चीफ बना रखा था। मक्की की मौत की पुष्टि करते हुए जमात उद दावा ने बयान भी जारी किया है। आतंकी संगठन का कहना है कि मक्की बीते कुछ दिनों से बीमार था। उसका डायबिटीज बढ़ा हुआ था और उसे इलाज के लिए लाहौर के एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया था। इसी दौरान उसे हार्ट अटैक आया और उसकी मौत हो गई। जमात-उ-दावा का कहना है कि मक्की को शुक्रवार सुबह ही हार्ट अटैक आया और उसने लाहौर के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। भारत की ओर से उसके खिलाफ लगातार एक्शन की मांग हो रही थी और पाकिस्तान से उसे सौंपे जाने की डिमांड भी कई गई थी। दिखावे के लिए पाकिस्तान की ऐंटी टेररिज्म कोर्ट ने अब्दुल रहमान मक्की को 2020 में 6 महीने कैद की सजा दी थी। मक्की पर टेरर फाइनेंसिंग के आरोप में यह एक्शन लिया गया था।

कहा जाता है कि मक्की ही जमात-उद-दावा की सारी गतिविधियां चलाता था और खुद को लो प्रोफाइल ही रखता था। इसके चलते जमात का चेहरा लंबे समय से हाफिज सईद ही रहा है और मक्की के बारे में कम लोगों को जानकारी थी। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी 2023 में मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित किया था। उस पर ट्रैवल बैन लगाए थे और संपत्तियों को जब्त करने का आदेश जारी किया गया था। हालांकि इन सब कार्रवाइयों के बाद भी वह पाकिस्तान में अन्य आतंकियों की तरह ही खुलेआम घूमता था।

दामाद ने पत्थर से पीट-पीटकर कर ससुर को उतारा मौत के घाट

सीहोर। सीहोर में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। आपसी विवाद में दामाद ने अपने ही ससुर को पत्थरों से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया और जंगल में भाग गया। नृशंस हत्या की जानकारी जैसे ही मृतक के पुत्र को लगी, उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी हत्यारे को 24 घंटे में जंगल से दबोच लिया। रेहटी पुलिस ने बताया कि फरियादी बबलू पिता कानसिंह बारेला निवासी ग्राम आमाझिरी ने पुलिस को सूचना दी थी कि आमाझिरी गांव से रूपा पिता लखन बारेला ने फोन पर बताया था कि तुम्हारे पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। तुम्हारे जीजा गेंदालाल और पिता कान सिंह बारेला की लड़ाई हुई थी। इस दौरान मारपीट में आई चोटों के कारण तुम्हारे पिताजी कान सिंह की मौत हो गई है। इस तरह की सूचना मिलते ही मैं तत्काल अपने गांव पहुंचा और देखा कि मेरे पिताजी घर के पास गेहूं के खेत में औंधे मुंह गिरे हुए थे। उनकी नाक से खून निकल रहा था, शर्ट में खून लगा था। सिर, घुटने और पीठ में चोटों के निशान थे और उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करते हुए आरोपी गेंदालाल उर्फ गेंदाराम पिता चतरसिंह बारेला निवासी आमाझिरी को जंगल से गिरफ्तार किया। इस दौरान पूछताछ में आरोपी ने बताया कि लंबे समय से आपसी विवाद चल रहा था। इसी दौरान झगड़े में पत्थर से मारने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने घटना में उपयोग किया गया पत्थर भी आरोपी के पास से जब्त किया है।

रुपए में डॉलर के मुकाबले एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट, 46 पैसे टूटा रुपया

नई दिल्ली। अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और विदेशी पूंजी के निरंतर बाहर जाने के कारण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 46 पैसे टूटकर नए ऑल टाइम लो 85.73 रुपये पर पहुंच गया। यह रुपए में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। विश्लेषकों के अनुसार, महीने के अंत और साल के अंत में भुगतान दायित्वों के लिए आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग के बीच डॉलर की मजबूती के कारण स्थानीय इकाई पर दबाव पड़ा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू इक्विटी बाजारों से सकारात्मक संकेतों ने भारतीय इकाई में गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 85.31 पर खुला और जल्द ही गिरकर 85.35 के अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर से 8 पैसे की गिरावट थी। रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले 12 पैसे टूटकर 85.27 के अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। इससे पहले दो कारोबारी सत्रों में इसमें 13 पैसे की गिरावट आई थी। इस बीच, छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत बढ़कर 107.93 पर कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी पर प्राप्ति बढ़ रही थी तथा 10 वर्षीय बांड 4.50 प्रतिशत के आसपास था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.07 प्रतिशत बढ़कर 73.31 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

मप्र में पॉक्सो एक्ट के 14,531 केस लंबित, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर। नाबालिग बच्चों को शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण से बचाने के उद्देश्य से बनाए गए 'यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम-2012' यानी पॉक्सो के मध्यप्रदेश में कई केस सामने आए हैं। 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को सुरक्षित माहौल न मिलना चिंता का विषय है। ऐसे में मध्यप्रदेश में पॉक्सो एक्ट के बढ़ते मामलों पर हाईकोर्ट ने चिंता जाहिर करते हुए स्वत: संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट ने केंद्रीय सचिव, महिला बाल विकास विभाग, प्रदेश के मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव महिला बाल विकास, पुलिस महानिदेशक, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और बाल अधिकार संरक्षण आयोग को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने मामले पर संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा है कि अधिकांश प्रकरणों में पीड़िता की आयु 16 से 18 वर्ष के बीच है, जबकि आरोपियों की आयु 19 से 22 वर्ष के बीच पाई गई है। न्यायाधीशों ने इसके पीछे मुख्य कारण पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों के बारे में पर्याप्त जागरूकता का अभाव बताया है।

प्रशासन को याद दिलाए दायित्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पॉक्सो अधिनियम की धारा 43 के तहत केंद्र और राज्य सरकार का यह दायित्व है कि

पॉक्सो के प्रावधानों का प्रचार-प्रसार मीडिया के माध्यम से नियमित अंतराल पर किया जाए, ताकि इस पर व्यापक जागरूकता आ सके। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने यह भी कहा कि लगातार मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने से न केवल पॉक्सो एक्ट से जुड़े आपराधिक मामलों में कमी आएगी, बल्कि बच्चों सहित उनके माता-पिता और अभिभावकों को अधिनियम के प्रावधानों के बारे में जानकारी भी मिलेगी।

पुलिस अधिकारियों को निर्देश फिलहाल हाईकोर्ट की तीनों पीठों में कुल करीब 14,531 आपराधिक मामले लंबित हैं। मुख्य न्यायाधीश ने पुलिस अधिकारियों और संबंधित व्यक्तियों को इस अधिनियम के प्रावधानों के बारे में समय-समय पर प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए हैं। दरअसल भारत सरकार द्वारा अधिनियमित यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 बच्चों को शोषण से सुरक्षा प्रदान करता है। पॉक्सो अधिनियम 2012 में त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष न्यायालयों की स्थापना का प्रावधान है। इसके अलावा, अधिनियम के अनुसार, विशेष न्यायालय द्वारा अपराध का संज्ञान लेने के तीस दिनों की अवधि के भीतर बच्चे का साक्ष्य दर्ज किया जाएगा। विशेष न्यायालय अपराध का संज्ञान लेने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर जहां तक संभव हो सुनवाई पूरी करेगा।

10 बच्चों की मौत के बाद युग पुरुष आश्रम की मान्यता निरस्त

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में बच्चों की मौत के कारण चर्चा में आए श्री युग पुरुष बौद्धिक विकास केंद्र आश्रम की मान्यता निरस्त कर दी गई है। मान्यता निरस्त करने की कार्रवाई सामाजिक न्याय विभाग संचालनालय द्वारा की गई है। पिछले दिनों बच्चों की मौत के कारण युगपुरुष बौद्धिक विकास केंद्र आश्रम चर्चा में आया था। यहां दो सौ से ज्यादा बच्चे रहते थे और एक के बाद एक कर 10 बच्चों की मौत हो गई थी। इस मामले में जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की और अब सामाजिक न्याय विभाग संचालनालय द्वारा मान्यता ही निरस्त कर दी गई है। यह सरकारी अनुदान प्राप्त संस्था है। बच्चों की मौत की वजह खून की कमी और संक्रमण बताया जा रहा है। ज्ञात हो कि इस आश्रम में प्रदेश से करीब 200 से अधिक मानसिक-शारीरिक दिव्यांग अनाथ बच्चों को रखा जाता था। युगपुरुष संस्था द्वारा दिव्यांग बच्चों के आश्रम के अलावा अस्पताल भी संचालित किया जाता है। वहां करीब हर तरह के प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध होने का दावा किया जाता था।

जांच में लापरवाही सामने आई

बताया गया है कि इस आश्रम में बच्चों की मौत के बाद जांच कराई गई। इस जांच में कई लापरवाही सामने आई। पाया गया कि बच्चों के खाने पीने में गंभीर कोताही बरती गई। इसके साथ बच्चों की बीमारी सामने आने पर भी उपचार के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। बच्चों की मौत के बाद परिजनों की सहमति से अन्य बच्चों को सेवा धाम आश्रम में स्थानांतरित करना पड़ा था। इंदौर के इस आश्रम में गड़बड़ियां सामने आने से पहले राज्य के अन्य हिस्सों में संचालित अन्य आश्रमों में भी गड़बड़ियां भी सामने आ चुकी थी। ऐसी संस्थाओं के खिलाफ विभिन्न स्तरों पर कार्रवाई भी हुई है।

बच्चों की मौत को छुपाया

जुलाई माह में पंद्रह दिन के भीतर आश्रम के 10 बच्चों की मौत हो गई थी। तब उन मौतों को आश्रम में छुपाया, लेकिन जब लगातार बच्चे बीमार पड़ने लगे और अफसरों ने पता किया तो दस बच्चों की बीमारी से मौत का पता चला। बच्चों की डायरिया हो गया था। तब आश्रम के अध्यक्ष, सचिव और संचालिका को हटाया गया था।

86 दिव्यांग बच्चों को शिफ्ट किया उज्जैन

कलेक्टर ने बताया कि मामले में आश्रम को नोटिस भी जारी किया गया था। इसके साथ ही प्रबंधन में भी बदलाव किया गया था। फिर सहमति के बाद गुरुवार को इस आश्रम के 86 दिव्यांग बच्चों को उज्जैन के सेवाधाम आश्रम में शिफ्ट कर दिया गया है। कलेक्टर ने बताया कि आश्रम को नोटिस देने के बाद मान्यता भी रद्द कर दी गई है। उज्जैन के आश्रम के संस्थापक सुधीर भाई गोयल ने बताया कि मध्य प्रदेश के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में 86 दिव्यांग और बहु-दिव्यांग बच्चे संस्था में स्थानांतरित होकर आए हैं। इंदौर के बौद्धिक दिव्यांग 34 बालक और 52 बालिकाओं (कुल 86 बच्चे) को श्री रामकृष्ण बालगृह और मां शारदा बालिका गृह के दिव्यांग प्रकल्प में स्वीकार किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, इंदौर के सहायक संचालक जय परिहार के नेतृत्व में विभाग की टीम और युग पुरुष धाम बौद्धिक विकास केंद्र का स्टाफ भी उपस्थित रहा।

पीएमओ तक पहुंचा था बच्चों की मौत का मामला

श्री युग पुरुष धाम आश्रम में बच्चों की मौतों का मामला अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक पहुंचा था। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा गठित एक टीम द्वारा न केवल बच्चों की मौत और बीमारी की जांच के साथ संस्था के वित्तीय लेनदेन सहित अन्य पहलुओं की भी जांच की थी। 6 जुलाई को, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस मामले की जांच के लिए एक दल को इंदौर भेजा था। केंद्रीय जांच दल की सदस्य डॉ. दिव्या गुप्ता ने बताया कि संस्था से कई जानकारी मांगी थी।

युवक पर दिन दहाड़े चाकू से किए 20 वार, फिर गला काटकर हत्या

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के परदेशीपुरा क्षेत्र में एक युवक की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। उसका रात को एक युवक से विवाद हुआ था। आशंका है कि उसी युवक ने हत्या की। आरोपी ने एक के बाद एक चाकू से 20 वार किए फिर गला रेत दिया। मौके पर ही युवक की मौत हो गई। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परदेशीपुरा क्षेत्र में रहने वाला युवक विनोद एक होटल में वेटर का काम करता था। उसका रात को कुलकर्णी भट्टा क्षेत्र में रहने वाले युवक से विवाद हुआ था। विनोद शुक्रवार दोपहर घर से निकला था। हमलवार पीछे से आया और युवक पर चाकू से वार करने लगा। विनोद सड़क पर गिर पड़ा तो बार-बार आरोपी ने चाकू से वार किए। इसके बाद उसने गला भी काट दिया। हत्या के समय लोग भी सड़कों पर थे। उन्होंने हत्यारे को देखा, लेकिन किसी की हिम्मत विनोद को बचाने की नहीं हुई,क्योंकि हत्यारे के सिर पर खून सवार था। आररोपी हत्या के बाद भाग गया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने विनोद के शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया। हत्या में प्रमोद यादव का नाम सामने आ रहा है। वह कुलकर्णी नगर में रहता है।

आरोपी को पुलिस ने लिया हिरासत में

एसीपी सोनू डाबर ने बताया कि पुलिस ने आरोपी प्रमोद साईं यादव को हिरासत में ले लिया है। वह विनोद का पड़ोसी है। हत्या करने के बाद भागकर अपने घर चला गया था। जहां लोगों ने उसे पकड़ लिया। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि सड़क पर जा रहे विनोद को पीछे से आए प्रमोद ने धक्का दिया। विनोद सड़क पर गिर पड़ा। इसके बाद प्रमोद ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। विनोद तड़पने लगा।

इसके बाद प्रमोद ने चाकू से उसका गला रेत दिया। विनोद राठौर रेलवे स्टेशन के पास गुरुकृपा होटल पर वेटर का काम करता था। वह गणेश नगर में रहता था। पड़ोस में रहने वाले प्रमोद साईं यादव से उसका विवाद हुआ था। वह कुलकर्णी भट्टा इलाके का रहने वाला है। विनोद के चचेरे भाई निर्भय ने बताया कि विनोद के पिता शिव नारायण की पहले ही मौत हो गई है।

मां प्रभा रेडीमेड कपड़ों की दुकान पर काम करती हैं। विनोद इकलौता बेटा था। उसकी शादी नहीं हुई थी। आरोपी ने घर से 500 मीटर दूरी पर हत्या की है।

नए साल में 400 करोड़ में बनेंगी मास्टर प्लान की 23 सड़कें

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के लिए नया साल महत्वपूर्ण रहेगा। बीत रहे साल में इंदौर को नए ब्रिज मिले, लेकिन नए साल में सड़कों का जाल बिछेगा। इससे शहरवासियों की राह आसान होगी और बसाहट में भी तेजी आएगी। 400 करोड़ रुपए सड़कों के निर्माण पर खर्च होंगे। 17 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का संचालन भी होगा। पूरे शहर में नए साल में डेढ़ हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य होंगे।

2025 में गांधी नगर से विजय नगर तक मेट्रो का संचालन शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए आठ स्टेशन तैयार हो रहे है। मेट्रो के कोच भी आ चुके है। ट्रेक पर उनका ट्रायल भी हो रहा है। इसके अलावा मध्य हिस्से में मेट्रो ट्रेन का काम शुरू होगा। नए साल में मास्टर प्लान की 23 सड़कों का निर्माण शुरू होगा। इस प्रोजेक्ट पर 450 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके टेंडर हो चुके है। नए साल में काम शुरू होंगे।

रीगल तिराहा से नेहरू प्रतिमा तक मॉडल रोड का निर्माण किया जाएगा। इस सड़क के फुटपाथों को भी सुंदर बनाया जाएगा। शहर में मुसाखेड़ी, आईटी पार्क, निरंजनपुर चौराहा, सत्यसांई चौराहा, लवकुश चौराहा, एमआर-10 जंक्शन के ब्रिज बनकर नए साल में तैयार हो जाएंगे। कुमेडी में नया बस स्टेशन नए साल में शुरू होगा। यहां राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश की तरफ से आने वाली बसों का संचालन होगा। इस स्टेशन से जनवरी में बसों का संचालन शुरू होगा। शहर में शामिल 29 गांवों के लिए भी प्रदेश सरकार ने पैकेज मंजूर किया है। इन इलाकों में सीवरेज लाइन और नर्मदा लाइन बिछाई जाएगी।

सेंट पॉल हायर सेकेंडरी स्कूल, बैच 1999 का रजत जयंती समारोह सम्पन्न

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सेंट पॉल हायर सेकेंडरी स्कूल, बैच 1999 का रजत जयंती समारोह 22 दिसंबर 2024 को विद्यालय परिसर में बड़े ही हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। इस आयोजन में पूर्व छात्रों, शिक्षकों और वर्तमान छात्रों ने भाग लिया, जिसने इसे अविस्मरणीय बना दिया। इस विशेष अवसर के आयोजन में कोर कमेटी के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कोर कमेटी में शामिल राजीव दुआ, संदीप सोमानी, पिंटू जोशी, जसपाल अरोड़ा, सुविग्य शर्मा, अभिषेक गौड़, अमित गर्ग, मधुर नावलानी, गौरव डिओरारी, सपन भाटिया, अवनीत साहनी, गोविंद अग्रवाल, जितेश जगवानी,सौरभ पलोद, निलेश सलवानी और मयंक जैन ने आयोजन की हर बारीकी का ध्यान रखा। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय एलूमनी झंडा वंदन से हुई। इसके बाद पूर्व छात्रों ने अपनी पुरानी यादें साझा कीं और शिक्षकों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया।1 हास्य कलाकार की प्रस्तुति व मनोरंजक गतिविधियों ने सभी को बचपन की यादों में लौटा दिया। मुख्य अतिथि बिशप फादर थॉमस मैथ्यू जी व वर्तमान प्रिंसिपल फादर सीबी मैथ्यू जी ने अपने संबोधन में पूर्व छात्रों के इस आयोजन की सराहना की और विद्यालय के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन के दौरान रजत जयंती की स्मृति में विद्यालय को एक योगदान देने की घोषणा भी की गई। यह आयोजन पुराने साथियों के मिलन और स्मृतियों को संजोने का एक अद्भुत अवसर बना। समारोह के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन और सामूहिक भोज का आयोजन किया गया।

पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा गया सहायक दरोगा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर नगर निगम के सहायक दरोगा को रिश्वत लेते लोकायुक्त पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा है। वह एक रेक पिगर से वेतन जारी करने के बदले पांच हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था। फरियादी ने लोकायुक्त पुलिस को शिकायत की। अफसरों ने जाल बिछाकर दरोगा को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। वार्ड क्रमांक 79 के जोन क्रमांक 21 के सहायक दरोगा रोहित पथरोड़ कर्मचारी यश चावरे का वेतन जारी नहीं कर रहा था। बार-बार यश ने उससे वेतन का आग्रह किया, लेकिन रोहित पांच हजार रुपये की रिश्वत का दबाव बना रहा था। आरोपी ने दो माह से उसका वेतन जारी नहीं किया था। यश ने तंग आकर लोकायुक्त पुलिस को शिकायत की। जांच में शिकायत को सही पाया गया। इसके बाद जोन में फरियादी पांच हजार रुपए लेकर गया। उसने सहायक दरोगा को नोटों की गड्डी दी तो लोकायुक्त पुलिस ने आकर नोटों की गड्डी जब्त कर ली और आरोपी रोहित के हाथ धुलवाएं।नोटों की गड्डी में लगे केमिकल के कारण पीला रंग रोहित के हाथों में आ गया था। आरोपी ने पहले कहा कि वह रिश्वत नहीं मांग रहा था, लेकिन लोकायुक्त पुलिस उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 के तहत केस दर्ज किया। अफसरों का पता चला कि रोहित के पास वेतन निकालने का काम था। वह अन्य छोटे कर्मचारियों को भी इस तरह परेशान करता था।

मोबाइल लेकर भाग रहे दो बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के तिलक नगर में गुरुवार रात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने बाइक सवार दो बदमाशों को पकड़ा है। आरोपी एक युवक का मोबाइल लेकर भाग रहे थे। तिलक नगर पुलिस के मुताबिक, बदमाशों ने हुकुमचंद चौधरी का मोबाइल लूटा था। ट्रैफिक पुलिस के कर्मी मनोज और विजयपाल की मदद से आरोपी नीतेश चावले निवासी इदरीसनगर और अजय जायसवाल निवासी देवगुराडिया को पकड़ा है। हुकुमचंद चौधरी ने बताया कि वह एक ट्रैवल्स कंपनी में काम करता है। रात में उसकी ड्यूटी खत्म हुई, तो कंपनी मैनेजर रौनक जैन ने उसे पिपल्याहाना चौराहे पर छोड़ दिया। यहां से वह पैदल चौहान नगर की तरफ जा रहा था।रास्ते में बाइक पर दोनों बदमाश आए। उन्होंने बाइक पास में लगाई और पीछे बैठे बदमाश ने हाथ से मोबाइल छीन लिया। वह शोर करता हुआ बदमाशों की बाइक के पीछे दौड़ा। कुछ आगे ट्रैफिक पुलिस के जवान खड़े थे। उन्होंने बाइक से दोनों बदमाशों का पीछा किया। भागते समय कुछ दूर जाकर दोनों बदमाशों की बाइक फिसल गई। इसके बाद उन्हें पकड़ लिया गया। पुलिस का कहना है कि गिरने से बदमाशों के हाथ-पैर में चोट आई है। उनसे शहर में हुई और भी घटनाओं के बारे में भी पूछताछ की जा रही है।

नादयोग गुरुकुल में हुआ 'नाद महोत्सव' का आयोजन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नादयोग गुरुकुल, जो भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की परंपरा को संरक्षित और संवर्धित करने में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, ने इस वर्ष अपने वार्षिक उत्सव 'नाद महोत्सव' का आयोजन किया। इस महोत्सव ने अपनी सफलता के 31वें वर्ष में प्रवेश कर, भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का गौरवपूर्ण प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश चेलावत थे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में शेखर शुक्ली, कांचन तारे ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर शिवाश पटेल और सुमित मालवीया को नादयोगी सम्मान, नृत्यांगना हिनल परमार और नृत्यांगना आंचल जैन को युवा कला सम्मान, तथा 11 प्रतिभाओं को नादयोग रत्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शुभ गजवदन गणेश स्तुति से हुई, जिसके बाद कृष्ण स्तुति, शिव स्तुति, देवी स्तुति और गणपति स्तुति पर प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत मेरे कान्हा, महागणपतिम, आत्म राम, मेरी आपकी कृपा और नमो नमः जैसी भावपूर्ण रचनाओं ने सभी का दिल जीत लिया।

ग्वालटोली में लड़कियों को दी सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग

इंदौर। अभिश्री फाउण्डेशन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट निर्माणशाला 'आओ उड़ान भरें' के तहत आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय कोच मास्टर सईद आलम और उनकी टीम के सदस्यों ने बड़ी ग्वालटोली की लड़कियों को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।मास्टर सईद आलम और उनकी टीम द्वारा आत्मरक्षा प्रशिक्षण देसी-विदेशी उपकरण के साथ दिया गया। समापन अवसर पर वंशिका पाल और श्रेया बोरासी ने दोनों हाथों के पकड़ से छुटकारा पाने की टेक्निक का प्रदर्शन किया। कोमल सिलावट और आन्या वर्मा कमर को पकड़ लिया तो इससे छुटकारा कैसे करें इसका प्रदर्शन किया। प्रियंका धीमान और अंजली पाल ने पीछे से हाथ पकड़ ले तो उससे कैसे छुड़ाना चाहिए, प्रैक्टिकल डेमो दिया। शिवानी कैथवास और रिंकी वर्मा ने दुपट्टा चोक करके दिखाया। दिव्या हिरवे और कंगना धीमान ने राह चलते वक्त होने वाले हमले से बचाव की टेक्निक का प्रदर्शन किया।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर मप्र के नेताओं ने जताया शोक

जमाना डॉ मोहन सिंह के कद का अंदाजा नहीं लगा सका...

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मोहन सिंह के निधन पर मध्यप्रदेश के कांग्रेस नेताओं ने श्रद्धांजलि दी और उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने लिखा कि महान अर्थशास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की खबर दुःखद है, ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। भारतीय राजनीति के इतिहास में मनमोहन जी योगदान हमेशा याद रखा जाएगा एवं देश उनके अमूल्य योगदान का ऋणी रहेगा। मैं अपने आपको बड़ा सौभाग्यशाली समझता हूं जो उनके सानिध्य में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ, उनके नीतियों पर चलकर हमने कई ऐतिहासिक आयाम स्थापित किये। जमाना उनके कद का अंदाजा नहीं लगा सका।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने लिखा कि उन्हें डॉ. मनमोहन सिंह के साथ काम करने का मौका मिला यह उनके लिए सौभाग्य की बात है। वही पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने लिखा कि एक महान देशभक्त और अर्थशास्त्री को देश ने खो दिया। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ट्वीट कर लिखा कि भारतीय राजनीति के अद्भुत नेता और महान अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि। देश ने एक महान व्यक्ति, दुनिया के सर्वाधिक योग्य अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह को खो दिया।

जन कल्याण पर ध्यान देने वाले प्रधानमंत्री

पूर्व सीएम कमलनाथ ने लिखा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। मैं उन सौभाग्यशाली व्यक्तियों में शामिल था जिन्हें उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य करने का मौका मिला। डॉक्टर मनमोहन सिंह दुनिया के सम्मानित अर्थशास्त्री और भारत के जन कल्याण पर ध्यान देने वाले प्रधानमंत्रियों में शामिल हैं। किसानों की कर्ज़ माफी, बच्चों को शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, आदिवासियों के लिए वन अधिकार कानून जैसी बहुत सी उपलब्धियां उनके खाते में दर्ज हैं। उनके निधन से पूरे देश को अपूरणीय क्षति हुई है ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण की नीति लागू की

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ट्वीट कर लिखा कि भारतीय राजनीति के अद्भुत नेता और महान अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि। देश ने आज एक महान व्यक्ति, दुनिया के सर्वाधिक योग्य अर्थशास्त्री डॉमनमोहन सिंह को खो दिया! अपने प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल में उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को नया आधार दिया था। वित्त मंत्री (1991-1996)= उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण (एलपीजी) की नीति लागू की। उन्होंने वैश्विक आर्थिक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। पारदर्शी और दीर्घकालिक आर्थिक नीतियां दी। विदेश नीति, भविष्य की योजनाओं और दीर्घकालिक सामाजिक नीतियों के अलावा उन्होंने अमेरिका से असैनिक परमाणु समझौता करवाया था। वित्तमंत्री के रूप में भी उनकी उपलब्धियां आज भी याद की जाती है।

देश के लिए एक युगांतकारी क्षति

देश ने एक अर्थशास्त्री और सादगी के प्रतीक को खो दिया= जीतू पटवारी

पीसीसी चीफ पटवारी ने ट्वीट कर लिख कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन से देश ने एक सच्चे देशभक्त, महान अर्थशास्त्री और सादगी के प्रतीक को खो दिया है। 1991 के आर्थिक संकट में उनका दूरदर्शी नेतृत्व भारत के लिए वरदान साबित हुआ। उनके आर्थिक सुधारों ने करोड़ों भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाया। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सूचना क्रांति, मनरेगा, किसानों की कर्जमाफी, और शिक्षा के अधिकार जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए। उनकी ईमानदारी, विनम्रता और राष्ट्रसेवा का हर भारतीय सदैव ऋणी रहेगा। यह देश के लिए एक युगांतकारी क्षति है।

देश और लोकतंत्र के सच्चे सपूत को खोया= दिग्विजय सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस देश और लोकतंत्र के सच्चे सपूत के रूप में मनमोहन सिंह ने न सिर्फ प्रधानमंत्री का कार्यकाल बखूबी निभाया बल्कि 90 के दशक में गिरती हुई अर्थव्यवस्था को अपनी सूझबूझ से पटरी पर ला दिया। उनके दिए आर्थिक उदारीकरण के फॉर्मूले ने देश के युवाओं को सपनों की उड़ान दी और देश एक नई पहचान के साथ दुनिया के साथ कदमताल करके चलने लगा। मनमोहन सिंह जिस भी पद पर रहे उस पद की गरिमा को चार चांद लग गए। एक सच्चे स्टेट्समैन के रूप में उन्हें सदैव याद किया जाएगा।

6 घंटे तक मंथन कर मोहन सरकार ने बनाया 2025 का रोडमैप

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में डॉ. मोहन यादव सरकार के 6 घंटे तक चले मंथन में 2025 का रोडमैप तैयार किया गया। इस दौरान सीएम ने कहा कि रोजगार पाने वाले भी बेरोजगारों की कैटेगरी में शामिल रहते हैं, इस विसंगति को दूर करने का काम किया जाए। सीएम ने कहा कि युवा, गरीब, महिला और किसान- इन चार प्रमुख वर्गों के कल्याण के लिए प्राथमिकता पर काम किए जाएंगे। इसके लिए जल्द चार मिशन काम करेंगे। इस तरह की बैठकें अब विभाग स्तर पर की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का बजट पांच साल में दोगुना करने का प्रयास है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी में मध्यप्रदेश आने की सहमति दी है। मंथन शिविर में प्रेजेंटेशन के बाद उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल, नगरीय विकास मंत्री एवं आवास कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल आदि ने सुझाव रखे।

मेडिकल टूरिज्म का करेंगे प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए मध्यप्रदेश सरकार निरंतर प्रयास करेगी। प्रदेश में अस्पतालों में वरिष्ठ रोगियों को सम्मान और सुविधा प्राप्त हो, इस दृष्टि से उनकी पृथक पंक्ति और बैठक का प्रबंध किया जाएगा। प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं ओर चिकित्सा शिक्षा संस्थाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है। प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म की दृष्टि से भी प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश में 30 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। आने वाले एक वर्ष में इनकी संख्या 50 से अधिक हो जाएगी। पांच नए आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने की पहल हुई है और शीघ्र ही प्रदेश में इनकी संख्या 60 हो जाएगी। प्रदेश में 55 जिले हैं, जिलों से इससे अधिक मेडिकल कॉलेज प्रदेश में हो जाएंगे, जिससे मध्यप्रदेश चिकित्सा का हब भी बनेगा।

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में आएंगे पीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की जो शुरुआत की गई, उसके सफल परिणाम मिल हैं। उन्होंने बतायया कि प्रधानमंत्री फरवरी 2025 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में आयेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगों को भूमि प्रदान करने के लिए उदार नीति का पालन करते हुए अधोसंरचना विकास के प्रयास बढ़ाए जाएंगे। उद्योग स्वयं विभिन्न विकास कार्यों को आवंटित भूमि के अनुसार क्रियान्वित करेंगे, इससे राज्य की अपनी सम्पदा के विकास और सुविधाओं में वृद्धि संभव होगी।

एक वर्ष में प्रगति के नए आयाम स्थापित किए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. अटल जी की 100वीं जयंती पर खजुराहो में 25 दिसम्बर को केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के भूमि-पूजन के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश ने एक वर्ष में प्रगति के नए आयाम स्थापित किए हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन की उन्होंने सराहना की और विश्व के 10 बड़े पर्यटन संभावनाओं से भरे क्षेत्रों में मध्यप्रदेश के शामिल होने का विशेष उल्लेख किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा किए गए मध्यप्रदेश के इस विशेष उल्लेख का सदैव सम्मान करेगी। मध्यप्रदेश पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ेगा।

बैठक की प्रमुख बातें

-मंथन शिविर में मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि टीम भावना से कार्य करने का प्रयास आवश्यक है।

-युवा, महिला, किसान और गरीब कल्याण पर मंथन हुआ है।

-मंथन शिविर मंत्रीगण और विभागों को कार्यों से यश-प्राप्ति का अवसर भी है।

-प्रदेश का बजट पांच वर्ष में दोगुना करने का प्रयास है। इस मंथन बैठक के बाद आगामी मंथन विभागीय स्तर पर होगा।

-ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री ने फरवरी माह में मध्यप्रदेश आने की सहमति दी है। यह समिट अपेक्षा से अधिक सफल होगी।

-मंत्रीगण पूरे वर्ष के कार्यों की समीक्षा करें। विभाग स्तर की समीक्षा से यह ज्ञात होगा कि किस क्षेत्र में प्रयास बढ़ाने हैं।

-समान स्वरूप के कार्य विभाग किस तरह संयुक्त रूप से कर सकते हैं, यह विचार-विमर्श भी किया गया है।

-कुपोषण कम करने के अभियान और 23 जिलों में टीबी नियंत्रण के अभियान सफल हों, ऐसे प्रयास हों।

-मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारी पूर्व की महत्वपूर्ण घोषणाओं और निर्णयों के क्रियान्वयन पर ध्यान दें।

-सायबर अपराध नियंत्रण के प्रयास बढ़ाने की आवश्यकता है, इसके लिए निर्धारित रणनीति के अमल पर ध्यान दिया जाए।

-मध्यप्रदेश राज्य परिवहन निगम को प्रदेश में पुनः प्रारंभ करने के संबंध में प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

-नगरों के विकास के लिए टियर-2 और टियर 3 श्रेणी के अनुसार आबादी के आधार पर अधोसंरचना विकास के लिए भारत सरकार से अधिकतम सहयोग प्राप्त करने के लिए भी मार्ग निकाले जा रहे हैं।

-वृंदावन ग्राम और नगरों में गीता भवनों की योजना को शीघ्र क्रियान्वित किया जाएगा।

-श्री कृष्ण पाथेय के विकास और राम वन गमनपथ के कार्यों को गति दी जाएगी।

-दीर्घ अवधि की योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। सिंहस्थ-2028 के आयोजन में भी आश्रमों को स्थाई रूप से भूमि दिए जाने के निर्णय से उज्जैन में आवश्यक सुविधाएं बढ़ेंगी।

-वर्ष-2025 उद्योग वर्ष होगा। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मंत्रीगण ऐसा कार्य कर दिखाएं जिससे किसानों का विद्युत देयक शून्य हो जाए। सौर ऊर्जा संचालित पम्पों की स्थापना को प्राथमिकता दी जाए।

-अस्पतालों में बुजुर्ग नागरिकों को सम्मान और सुविधा मिले इसके लिए उनकी पृथक पंक्ति हो ऐसी व्यवस्था करने पर विचार हुआ है।

-उद्योगों में रात्रिकालीन शिफ्ट को सुरक्षा और सुव्यवस्था के साथ लागू करने पर चर्चा हुई।

योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भोपाल में 130 शिविरों का आयोजन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के 1 साल पूरे होने पर लोगों को सरकारी योजना का लाभ देने मोहन सरकार ने प्रदेश भर में शिविर लगाकर पात्र अभ्यर्थियों को योजनाओं का लाभ देने के निर्देश अधिकारियों के दिए हैं। राजधानी भोपाल जिले में 11 दिसम्बर से प्रारंभ हुए मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। 26 जनवरी 2025 तक चलने वाले मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के 14 दिन में अब तक जिले में 130 शिविर आयोजित किए जा चुके है। जिनमें 28 हजार से अधिक आवेदन ऑनलाइन दर्ज किए गए हैं और 20 हजार से अधिक प्रकरणों को मौके पर ही स्वीकृत किया गया। खास बात यह है कि भोपाल का कलेक्टर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह खुद शिविरों में पहुंच रहे हैं और लोगों की समस्याओं को सुलझाने के निर्देश अधिकारियों को दे रहे हैं। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनकल्याण अभियान के तहत शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। जनकल्याण शिविरों का लक्ष्य शासन की योजनाओं का लाभ पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुचाना है। कलेक्टर ने शिविर में प्राप्त आवेदनों की त्वरित स्वीकृति प्रक्रिया की सराहना की। उन्होंने एसडीएम, तहसीलदार और जोनल वार्ड ऑफिसर्स के कार्य की प्रशंसा की। जनकल्याण अभियान के अंतर्गत 34 हितग्राहीमूलक योजनाएं, 11 लक्ष्य आधारित योजनाएं एवं 63 सेवाओं को मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। जनकल्याण अभियान का मुख्य उद्देश्य केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की शत-प्रतिशत सेच्युरेशन चिन्हित हितग्राही योजनाओं में तथा लक्ष्य आधारित योजनाओं में हितलाभ प्रदान करना है। इसके लिए जिले में वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने के लिए घर-घर सर्वे कर चिन्हांकन एवं चिन्हित सेवाओं का शिविर के माध्यम से लाभ पहुंचना सुनिश्चित करना है।

शनिवार और रविवार को यहां लगेंगे शिविर

भोपाल जिले की जनपद पंचायत फंदा के अंतर्गत 28 दिसम्बर शनिवार को ग्राम पंचायत झागरियाखुर्द, पडरियाजाट, बगरोदा, अमझरा, जमुनियाकला, नरोन्हासांकल, बिरखिरिया कलां, पडरियासांकल, कोलुआखुर्द, छावनी पठार, आदमखुर छावनी, 29 दिसम्बर रविवार को मुगालियाकोट, सूखीसेवनियां, बरखेड़ी अब्दुल्ला, डोब, बालमपुर, प्रेमपुरा अमोनी एवं 30 दिसम्बर सोमवार देवलखेड़ी, पिपलिया बाजखां, इमलिया, चौपड़ाकला,पिपलियाजाहिरपीर, सेवनिया ओंमकारा, अरेडी, कान्हासैया, खरामखेड़ा में शिविरों का आयोजन कर पात्र हितग्राहियों को लाभांवित किया जायेगा।

मानव अधिकार आयोग ने दो आईएएस को जारी किया जमानती वारंट

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन और कमिश्नर निशांत वरवड़े के खिलाफ 5-5 हजार रुपए के जमानती वारंट जारी किए हैं। दोनों अधिकारियों को 22 जनवरी 2025 को आयोग के सामने पेश होने का आदेश दिया गया है। निशांत वरवड़े पर एक महिला स्पोर्ट्स ऑफिसर के मामले में भी वारंट जारी हुआ है। इसके अलावा, लोक निर्माण विभाग के मुख्य इंजीनियर पर भी वारंट जारी किया गया है। मोतीलाल विज्ञान कॉलेज भोपाल के प्रोफेसर कैलाश त्यागी ने अर्जित अवकाश (एलटीसी) की राशि रोकने की शिकायत आयोग में की थी। उन्होंने कॉलेज प्राचार्य के खिलाफ कार्रवाई और अपनी राशि ब्याज सहित दिलाने की मांग की थी। आयोग ने इस मामले में अनुपम राजन और निशांत वरवड़े से रिपोर्ट मांगी। कई बार रिमाइंडर भेजने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके चलते आयोग ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है।

वरवड़े के खिलाफ दूसरा वारंट भी जारी

महिला स्पोर्ट्स अफसर के मामले में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत न करने पर आयोग ने कमिश्नर उच्च शिक्षा निशांत वरवड़े के खिलाफ 5000 रुपए का दूसरा जमानती वारंट भी जारी किया है। उन्हें 22 जनवरी को आयोग के समक्ष उपस्थित रहने को कहा गया है। एक महिला स्पोर्ट्स ऑफिसर ने अपने कॉलेज के प्राचार्य पर जातिसूचक टिप्पणी का आरोप लगाया था। इस मामले में भी आयोग ने निशांत वरवड़े से रिपोर्ट मांगी थी। कई नोटिस भेजने के बावजूद रिपोर्ट नहीं दी गई, इसलिए आयोग ने वरवड़े के खिलाफ दूसरा वारंट जारी कर दिया है

मुख्य इंजीनियर के खिलाफ भी वारंट

राजधानी भोपाल के बावड़िया कलां ओवरब्रिज की सड़क तीन साल में ही खराब हो गई। इस मामले में आयोग ने पीडब्ल्यूडी के मुख्य इंजीनियर संजय मस्के से रिपोर्ट मांगी। बार-बार रिमाइंडर भेजने के बाद भी रिपोर्ट नहीं मिली। इसके चलते मस्के के खिलाफ भी जमानती वारंट जारी किया गया है। अब सभी अधिकारियों को 22 जनवरी 2025 को आयोग के सामने हाजिर होना होगा। इन वारंटों की तामील कराने की जिम्मेदारी भोपाल पुलिस आयुक्त को सौंपी गई है।

भोपाल के जंबूरी मैदान में 11वां विज्ञान मेला शुरू, मॉडल देखने पहुंचे लोग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के जंबूरी मैदान में 11वां विज्ञान मेला शुरू हो गया है। इसमें डेढ़ सौ से ज्यादा मॉडल की प्रदर्शनी लगाई गई है। वहीं, स्टार्टअप के मॉडल भी आए हैं। अच्छे मॉडल को 30 दिसंबर को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। पहले दिन मॉडल देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। विज्ञान भारती मध्य भारत प्रांत, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार सुबह विज्ञान मेला शुरू हुआ। मेले में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के इनोवेटिव मॉडल की प्रतियोगिता होगी। भोपाल, इंदौर, विदिशा, बड़वानी, छतरपुर, चित्रकूट, बालाघाट, ग्वालियर, मंदसौर, मुरैना, खंडवा, पृथ्वीपुर, सीहोर, सेंधवा, उज्जैन समेत अन्य जगहों के स्टूडेंट्स ने मॉडल लगाए हैं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में विभिन्न संस्थाओं के वैज्ञानिक रहेंगे, जो विद्यार्थियों को उनके मॉडल को और अच्छा बनाने के लिए सुझाव भी देंगे। विज्ञान मेले में 28 और 29 दिसंबर को विद्यार्थी-वैज्ञानिक संवाद सत्र का आयोजन होगा। पहले दिन के सत्र में विभिन्न विद्यालय एवं पॉलिटेक्निक के छात्रों के लिए वैज्ञानिक संवाद हुआ। शनिवार को कॉलेज के विज्ञान एवं तकनीक के छात्रों के लिए सत्र होगा। 29 दिसंबर का सत्र समुदाय स्कूल, ज्ञानोदय स्कूल, शारदा विहार एवं एकलव्य स्कूल के छात्रों के लिए आयोजित होगा। मंडप में छात्र-छात्राओं के लिए खेल-खेल में सीखने लायक कृतियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। कारिगरों की प्रतिभा का दर्शन करते लगभग 40 मंडपों का भी समावेश है। हस्तशिल्प, औषधि, पौधों, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, कृषि, तकनीक इत्यादि के मंडप भी हैं।

नए साल के जश्न में नहीं हो पाएगा हुड़दंग मप्र की पुलिस ने कर ली तैयारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। नए साल के जश्न को लेकर मध्यप्रदेश की पुलिस ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। शराब परोसने वाले होटल, पब सहित अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पुलिस मॉनिटरिंग करेगी। इसके अलावा अल्कोहल डिटेक्टर से भी वाहन चालकों की औचक चेकिंग की जाएगी। यह सब कुछ नए साल पर सड़क दुर्घटना रोकने के लिए किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय ने नए साल पर किसी भी प्रकार का हंगामा और हुड़दंग करने वालों पर नकेल कसने के लिए अलग-अलग प्रकार से कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का धरातल पर पालन कराने की तैयारी भी शुरू हो गई है। उज्जैन एसपी प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि उज्जैन में नए साल पर चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। अल्कोहल डिटेक्टर के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा शराब परोसने वाले होटल और अन्य स्थानों के आसपास सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं, जिसकी मॉनिटरिंग के जरिये हंगामा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। देवास एसपी पुनीत गहलोत के मुताबिक हाईवे पर वाहनों की गति को नियंत्रित करने के साथ-साथ अल्कोहल डिटेक्टर के माध्यम से चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। शराब पीकर वाहन चलाने वालों की गाड़ियां जब्त कर उन्हें हवालात की हवा खिलाई जाएगी। इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नए साल पर हंगामा रोकने के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने लोगों से अपील की है कि वे नए साल के जश्न को धूमधाम से मनाएं लेकिन इस बात का जरूर ध्यान रखे कि नियम और कानून का पूरी तरह पालन करें। वाहन चालकों से कहा गया है कि वे शराब पीकर या अन्य कोई नशा कर गाड़ी ना चलाएं। इसके अलावा वाहनों के पूरे दस्तावेज रखकर ही सफर करें।

सम्पादकीय

डॉ. मनमोहन सिंह ने देश को भारी आर्थिक संकट से बाहर निकाला

90 के दशक में हालात बिलकुल विपरीत थे, उस समय देश में पीवी नरसिंह राव की सरकार थी और वित्तमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे। ग्लोबल मार्केट में भारत की साख निचले स्तर पर पहुंच चुकी थी। इंडियन करेंसी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले धराशायी हो गई थी और विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चुका था। एक प्रकार से देश दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया था, लेकिन वित्तमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश के मिजाज को समझा और कुछ ऐसे फैसले लिए जिनसे भारत की वो तस्वीर ही बदल गई।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह नहीं रहे, उन्होंने 92 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। उन्होंने सिर्फ पीएम ही नहीं, देश के वित्तमंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। अपने इस कार्यकाल के दौरान उन्होंने तीन ऐसे काम किए, जो हमेशा उनके नाम रहेंगे। ये काम ऐसे थे, जो देश की तस्वीर बदलने वाले साबित हुए। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यस्था है और जल्द इसके पांचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की उम्मीद जाहिर की जा रही है। लेकिन 90 के दशक में हालात बिलकुल विपरीत थे, उस समय देश में पीवी नरसिंह राव की सरकार थी और वित्तमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे। ग्लोबल मार्केट में भारत की साख निचले स्तर पर पहुंच चुकी थी। इंडियन करेंसी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले धराशायी हो गई थी और विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चुका था। एक प्रकार से देश दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया था, लेकिन वित्तमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश के मिजाज को समझा और कुछ ऐसे फैसले लिए जिनसे भारत की वो तस्वीर ही बदल गई। उन्होंने पहला काम उदारीकरण और लाइसेंस राज के खात्मे का किया। डॉ. मनमोहन सिंह साल 1991 से 1996 तक वित्तमंत्री रहे थे और इस दौरान उन्होंने भारी आर्थिक संकट की स्थिति में बड़े फैसले लेकर इकोनॉमी को संकट से निकाला था। इन कामों में पहला और सबसे बड़ा था लाइसेंस राज को खत्म करना। उन्होंने ऐसी नीतियां बनाईं, जिनके जरिये भारत में विदेशी निवेश के लिए दरवाजे ओपन हो गए। लाइसेंसी राज को खत्म करके आर्थिक उदारीकरण के नए युग की शुरुआत का श्रेय मनमोहन सिंह को ही जाता है। आयात के लिए लाइसेंस को खत्म करना, ज्यादातर बिजनेस के लिए लाभकारी रहा, क्योंकि उनके लिए कई तरह के लाइसेंस लेने की बाध्यता खत्म हो गई थी। इसके साथ ही विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाई गई, जिससे भारत में तेजी से फॉरेन इन्वेस्टमेंट आने की शुरुआत हो गई। भारत में काम करने वाली कंपनियों को चुनौतियां तो मिलीं, लेकिन आज देश में जो विदेशी कंपनियां अपना बड़ा कारोबार कर रही हैं, वह डॉ. मनमोहन सिंह की ही देन हैं। उन्होंने कॉर्पोरेट टैक्स से लेकर इंपोर्ट शुल्क में कटौती समेत अन्य कई बड़े कदम उस समय बढ़ाए थे। मनमोहन सिंह के बड़े फैसलों में अगला और अहम है अमेरिका के साथ भारत की न्यूक्लियर डील। 1974 में राजस्थान के पोखरण में देश के पहले परमाणु परीक्षण के बाद यूएस-इंडिया रिश्तों में तनाव देखने को मिला था। जब मनमोहन सिंह साल 2004 में प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने इन खराब हुए रिश्तों को सुधारने के लिए कदम आगे बढ़ाया। इस डील के लिए उन्हें यूपीए गठबंधन सरकार के सहयोगी लेफ्ट का कड़ा विरोध भी झेलना पड़ा, लेकिन उन्होंने भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते को आगे बढ़ाने का फैसला किया। आखिरकार अमेरिका से साथ ये ऐतिहासिक समझौता 2008 में हुआ। उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश थे। यूएस-इंडिया न्यूक्लियर डील भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक संबंधों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई। इसके जरिये दशकों से भारत के लिए बंद परमाणु ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अमेरिकी सहयोग का रास्ता फिर से ओपन हो गया। मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ही आधार कार्ड अस्तित्व में आया और यह मनमोहन सिंह की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक बना। गौरतलब है कि आधार कार्ड आज के समय में हर भारतीय की न केवल पहचान बन गया है, बल्कि तमाम फाइनेंशियल कामों के लिए भी सबसे महत्वपूर्ण डॉक्युमेंट हो गया है। जनवरी 2009 में देश के निवासियों को विशिष्ट पहचान प्रदान करने, विभिन्न सेवाओं तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए आधार कार्ड योजना की शुरुआत की गई थी। आज पूरा देश गमगीन होकर अपने चहेते पूर्व पीएम को याद कर रहा है। इस बीच डॉ. मनमोहन सिंह के 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में देश के नाम आखिरी संबोधन की भी चर्चा हो रही है। उस संबोधन में भी वे देश की अर्थव्यवस्था को लेकर आत्मविश्वास से लबरेज थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में देश के नाम आखिरी संबोधन में तब कहा था कि मैं भारत के भविष्य को लेकर

नैतिकता और सादगी का आदर्श प्रस्तुत किया मनमोहन सिंह ने

मनमोहन सिंह की कार्यशैली अन्य नेताओं से बिल्कुल अलग थी। वे न तो लोकप्रिय नारों के सहारे राजनीति करते थे और न ही व्यक्तिगत आक्रामकता का सहारा लेते थे। उनकी राजनीति का आधार हमेशा नीतिगत निर्णय और दीर्घकालिक लाभ रहा। उन्होंने कभी भी स्वयं को व्यक्तिगत प्रचार के लिए प्रस्तुत नहीं किया। वे शांत और गंभीर स्वभाव के थे, लेकिन उनकी नीतियों और निर्णयों ने हमेशा प्रभाव छोड़ा। उदाहरण के लिए, 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते को पारित करवाने में उनका दृढ़ संकल्प दिखा, जबकि इसके लिए उन्हें काफी राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ा।

डॉ. मनमोहन सिंह, जो भारत के 14वें प्रधानमंत्री रहे (2004-2014), भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में अपनी सादगी, विद्वता और नीतिगत दृष्टिकोण के कारण सबसे अलग माने जाते हैं। उन्होंने अपनी विशेषज्ञता, समर्पण और नीति-निर्माण के कौशल से न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी, बल्कि प्रधानमंत्री के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई। वे उन नेताओं में से थे, जिन्होंने निजी प्रचार से परे रहकर भारत की सेवा की और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इतिहास में उनका नाम एक ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में दर्ज होगा, जिसने न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी, बल्कि राजनीति में नैतिकता और सादगी का भी एक आदर्श प्रस्तुत किया।

डॉ. मनमोहन सिंह भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने वाले प्रमुख व्यक्तियों में से एक हैं। उनकी विद्वता का आधार उनकी अद्वितीय शैक्षणिक पृष्ठभूमि है। उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक किया, जहां उन्हें प्रतिष्ठित राइट्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी.फिल की उपाधि प्राप्त की। उनकी थीसिस ने न केवल भारत की आर्थिक नीतियों पर बल्कि विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी गहरा प्रभाव डाला।

उनका शिक्षण और शोध कार्य उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रख्यात अर्थशास्त्री के रूप में पहचान दिलाने में सहायक रहा। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, पंजाब विश्वविद्यालय और जावाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पढ़ाया। इसके अलावा, वे संयुक्त राष्ट्र के व्यापार और विकास सम्मेलन और दक्षिण आयोग जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी सक्रिय रहे। उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए उन्हें भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर और योजना आयोग के उपाध्यक्ष जैसे पदों पर नियुक्त किया गया।

1991 में, जब भारत गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने उन्हें वित्तमंत्री नियुक्त किया। उनके नेतृत्व में देश ने उदारीकरण, निजीकरण, और वैश्वीकरण (एलपीजी) की नीति अपनाई, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को संकट से बाहर निकाला और उसे तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर किया। विदेशी मुद्रा भंडार जो लगभग खत्म हो गया था, उनके सुधारों के बाद स्थिर हो गया। उन्होंने आयात-निर्यात नीतियों में बदलाव, टैक्स सुधार, और औद्योगिक लाइसेंस राज को समाप्त करके व्यापार को प्रोत्साहित किया।

मनमोहन सिंह अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए पूरे राजनीतिक जीवन में आदर्श माने जाते रहे हैं। उनका व्यक्तिगत जीवन बेहद सादा था, और उन्होंने कभी भी राजनीतिक लाभ या व्यक्तिगत संपन्नता के लिए अपने पद का उपयोग नहीं किया। वे न दिखावे में विश्वास रखते थे और न ही भव्यता में। उनकी सादगी का सबसे बड़ा उदाहरण उनका निजी जीवन है। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी वे सामान्य जीवनशैली के प्रति प्रतिबद्ध रहे। वे साधारण भोजन करते थे और हमेशा अपनी पत्नी के साथ एक सामान्य परिवार की तरह जीवन जीते रहे। उन्होंने कभी भी अपने पद का उपयोग करके अपने लिए विशेष सुख-सुविधाएं नहीं जुटाईं।

ईमानदारी के मामले में मनमोहन सिंह ने राजनीति में एक उच्च मानदंड स्थापित किया। उनके पूरे करियर में व्यक्तिगत भ्रष्टाचार का एक भी मामला सामने नहीं आया। 2004 से 2014 तक, जब वे प्रधानमंत्री थे, उनके नेतृत्व में कई बार विवाद और घोटाले सामने आए, लेकिन उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी पर कभी भी किसी ने सवाल नहीं उठाया। उनकी ईमानदारी का यह स्तर उन्हें भारतीय राजनीति में एक अलग स्थान प्रदान करता है। उनकी ईमानदारी और सादगी ने न केवल जनता का विश्वास जीता, बल्कि उनके सहयोगियों और विपक्षी दलों ने भी इसे स्वीकार किया। यह उनके चरित्र का प्रमाण है कि वे हमेशा अपने आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध रहे, चाहे परिस्थितियां कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न रही हों।

मनमोहन सिंह की कार्यशैली अन्य नेताओं से बिल्कुल अलग थी। वे न तो लोकप्रिय नारों के सहारे राजनीति करते थे और न ही व्यक्तिगत आक्रामकता का सहारा लेते थे। उनकी राजनीति का आधार हमेशा नीतिगत निर्णय और दीर्घकालिक लाभ रहा। उन्होंने कभी भी स्वयं को व्यक्तिगत प्रचार के लिए प्रस्तुत नहीं किया। वे शांत और गंभीर स्वभाव के थे, लेकिन उनकी नीतियों और निर्णयों ने हमेशा प्रभाव छोड़ा। उदाहरण के लिए, 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते को पारित करवाने में उनका दृढ़ संकल्प दिखा, जबकि इसके लिए उन्हें काफी राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ा।

प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह ने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाया। उनकी शांत और सटीक कूटनीति ने भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में प्रस्तुत किया। जी-20, ब्रिक्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने भारत के हितों को मजबूती से रखा। उनकी विशेषज्ञता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें 'वैश्विक नेताओं में से एक महान विचारक' कहा था।

मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री बनने से पहले विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्यापन कार्य किया। वे छात्रों के बीच एक आदर्श शिक्षक के रूप में प्रसिद्ध थे। उनका यह अनुभव प्रधानमंत्री के रूप में नीति-निर्माण में सहायक सिद्ध हुआ। उन्होंने अपनी सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों को हमेशा एक मार्गदर्शक के रूप में प्रेरित किया। मनमोहन सिंह का व्यक्तित्व राजनीति तक सीमित नहीं था। वे एक विद्वान, शिक्षक और प्रशासक भी थे। प्रधानमंत्री बनने से पहले, उन्होंने योजना आयोग के उपाध्यक्ष, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर और वित्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। इन सभी भूमिकाओं में उनका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा।

मनमोहन सिंह अपने पूरे कार्यकाल में व्यक्तिगत विवादों से दूर रहे। हालांकि उनके कार्यकाल के दौरान कई घोटाले (जैसे 2जी स्पेक्ट्रम और कोयला आवंटन) सामने आए, लेकिन उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी पर कभी कोई सवाल नहीं उठाया गया। विपक्ष ने उनकी चुप्पी की आलोचना की, लेकिन उनकी प्रतिबद्धता और नैतिकता पर कभी कोई संदेह नहीं हुआ।

उनके कार्यकाल में भारतीय अर्थव्यवस्था ने अभूतपूर्व प्रगति की। 2004 से 2014 तक, भारत ने जीडीपी ग्रोथ में तेजी देखी, और करोड़ों लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे। उन्होंने ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), शिक्षा के अधिकार और खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसे कई सामाजिक योजनाओं की शुरुआत की, जिससे भारत के आम नागरिकों का जीवन स्तर बेहतर हुआ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के प्रधानमंत्री के रूप में, उन्हें विभिन्न दलों और विचारधाराओं के साथ सामंजस्य स्थापित करना पड़ा। उनके नेतृत्व में यूपीए ने लगातार दो कार्यकाल पूरे किए, जो उनकी समन्वय क्षमता और धैर्य का प्रमाण है।

मनमोहन सिंह ने हमेशा मानवता और शांति को प्राथमिकता दी। उनके कार्यकाल में भारत-पाकिस्तान के बीच शांति वार्ता शुरू हुई, और सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए गए। हालांकि ये प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हुए, लेकिन उनकी मंशा पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

आखिरी फैसला तो मैडम ही करेंगी...यह कहकर बच निकलते थे मनमोहन

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर देशभर में शोक घोषित किया गया है और नेताओं से लेकर आम जन तक उन्हें अपने तरीके से याद कर रहे हैं। मनमोहन सिंह की पहचान एक अर्थशास्त्री के रूप में थी तो वहीं प्रधानमंत्री रहने के दौरान वे एक निर्णायक नेता न होने के नाम पर आलोचना झेलते रहे। 2004 में कांग्रेस और उसके साथी दलों को चुनाव नतीजों में बढ़त मिली तो चारों तरफ सोनिया गांधी के पीएम बनने की चर्चा थी। इस बीच विदेशी मूल का मुद्दा उठा तो सोनिया गांधी ने ट्रंप कार्ड चलते हुए मनमोहन सिंह को पीएम के तौर पर आगे कर दिया। माना गया था कि उन्हें इसलिए कमान दी गई है ताकि पद पर रहे बिना ही गांधी फैमिली फैसले कर सके और सिख दंगों के दाग भी कांग्रेस से हटाए जा सकें। इसलिए एक अर्थशास्त्री सिख लीडर को पीएम बना दिया गया।

कांग्रेस हाईकमान के लिए भले ही मनमोहन सिंह को पीएम बनाना एक रणनीति का हिस्सा था, लेकिन खुद मनमोहन सिंह इसके चलते आलोचना झेलते रहे। हालांकि उन्होंने इस कथित कमजोरी को ही अपनी ताकत बना लिया था। डॉ. मनमोहन सिंह पर उनके सलाहकार रहे संजय बारू ने एक पुस्तक लिखी थी- द एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर। इस पुस्तक में संजय बारू बताते हैं कि कैसे हाईकमान की ही चलने वाली बात को मनमोहन सिंह ने अपनी ताकत बना लिया था और इसके जरिये वे जटिल मुद्दों को टाल देते थे या फिर उनसे बच निकलते थे। संजय बारू लिखते हैं, 'यूपीए-1 की स्थिति यह थी कि सभी अच्छे कामों का श्रेय सोनिया गांधी को मिलता था तो वहीं किसी भी तरह की असफलता के लिए पीएम के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह जिम्मेदार ठहराए गए।'

संजय बारू लिखते हैं, 'डॉ. मनमोहन सिंह ने कभी इस सच्चाई को खारिज नहीं किया। सरकार में शामिल सहयोगी दल जब भी अलग तरह की मांग रखते तो वे कहते थे कि इस मामले में मेरी राय ही अंतिम नहीं होगी। वे तो एक ऐक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर हैं और आखिरी फैसला मैडम सोनिया गांधी ही लेंगी। उन्हें हाईकमान की शक्ति का अंदाजा था। इस तरह आखिरी फैसला सोनिया गांधी ही लेंगी कहकर वे अकसर जटिल और कठिन मसलों को टाल देते थे। यानी जिसे उनकी कमजोरी माना गया था, वही चीज उनकी ताकत बन चुकी थी। संजय बारू लिखते हैं कि गवर्नेंस के अलग-अलग मामलों में उनके हाथ बंधे थे। इसलिए उन्होंने विदेश नीति को चुना और वहां नटवर सिंह के माध्यम से अपनी नीतियों को आगे बढ़ाया था।

गौरतलब है कि मनमोहन सिंह अपने 10 सालों के कार्यकाल के दौरान 'रिमोट से चलने वाली सरकार' का तमगा पाते रहे थे। उन्होंने कभी खुलकर जवाब नहीं दिया, लेकिन पीएम के तौर पर अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपना दर्द जाहिर किया था। मनमोहन सिंह का कहना था कि भले ही विपक्ष और मीडिया मेरे प्रति निर्मम रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि इतिहास मेरे साथ उदारता दिखाएगा। प्रधानमंत्री के तौर पर मनमोहन सिंह की अंतिम प्रेस कॉन्फ्रेंस तीन जनवरी

2014 को हुई थी, जो एक घंटे से ज्यादा समय तक चली थी। मनमोहन सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में ही देश के सामने आर्थिक चुनौतियों और वैश्विक आर्थिक मंदी की चर्चा की। देश में बढ़ती महंगाई को भी मनमोहन सिंह ने अपने संबोधन में स्वीकार किया था।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मनमोहन सिंह से पूछा गया कि यूपीए-1 से यूपीए-2 तक लगातार एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मुद्दे सामने आए हैं, आपकी मिस्टर क्लीन की जो छवि थी आपको नहीं लगता है कि जब आप कुर्सी छोड़ने वाले हैं, तो वो छवि दागदार हुई है?

इस सवाल के जवाब में मनमोहन सिंह ने कहा- जहां तक भ्रष्टाचार के आरोपों का सवाल है तो इनमें से ज्यादातर आरोप यूपीए-1 से जुड़े हैं। कोल ब्लॉक आवंटन, 2-जी स्पेक्ट्रम आवंटन दोनों ही यूपीए-1 के दौर के हैं। हम अपने काम के आधार पर वोटर के सामने गए और भारत की जनता ने हमें दोबारा जनादेश दिया। ये मुद्दे समय-समय पर मीडिया, सीएजी और कोर्ट में उठते रहे हैं लेकिन भारत की जनता ने हम पर दोबारा भरोसा जताया और भ्रष्टाचार के आरोपों को मुझसे या मेरी पार्टी से नहीं जोड़ा।

भ्रष्टाचार मुद्दे पर उनसे फिर सवाल पूछा गया कि क्या आपको नहीं लगता है कि यूपीए-1 के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण आपकी सरकार को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी?

तब मनमोहन सिंह ने कहा कि मैं इस मामले में थोड़ा दुःखी महसूस करता हूं क्योंकि मैंने ही इस बात पर जोर दिया था कि स्पेक्ट्रम आवंटन पारदर्शी और निष्पक्ष हो। मैं ही था जिसने जोर देकर कहा था कि कोल ब्लॉक का आवंटन नीलामी के आधार पर हो, लेकिन इन तथ्यों को भूला दिया गया। इस मामले में विपक्ष का अपना स्वार्थ निहित था। कुछ मौकों पर मीडिया उनके हाथ का खिलौना भी बन गया। इसलिए मेरे पास इसकी हर वजह है कि जब भी इस समय का इतिहास लिखा जाएगा, हम बेदाग बाहर आएंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि कोई अनियमितता नहीं हुई लेकिन इस समस्या की दिशा को मीडिया, कुछ मौकों पर सीएजी और अन्य लोगों ने बढ़ा चढ़ाकर पेश किया।

यह वो दौर था, जब केंद्र सरकार पर कई तरह के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे थे। विपक्षी दल कॉमनवेल्थ गेम्स- 2010, कोल ब्लॉक आवंटन और 2 जी स्पेक्ट्रम के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे थे। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई पर भी सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की थी। मनमोहन सिंह के कार्यकाल में उनके कई मंत्रियों पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। इसी पर उनसे एक सवाल किया गया कि अपने मंत्रियों पर कार्रवाई करने में नाकाम रहे हैं?

मनमोहन सिंह ने कहा कि मैं मानता हूँ कि इतिहास मेरे प्रति आज के मीडिया के मुकाबले ज्यादा उदार होगा।

मनमोहन सिंह से एक पत्रकार ने सवाल किया कि पिछले नौ-दस साल में क्या कभी ऐसा वक्तत आया जब आपको लगा कि इस्तीफा दे देना चाहिए?

इसके जवाब में उन्होंने कहा था कि मैंने कभी ऐसा महसूस नहीं किया कि मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए। मैंने अपने काम का खूब आनंद लिया। मैंने बिना किसी डर या पक्षपात के अपने काम को पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करने की कोशिश की। मनमोहन सिंह को आमतौर पर काम बोलने वाले लोगों में शुमार किया जाता था? उनसे इस मामले में भी सवाल किया गया कि पिछले दस साल में आप पर सबसे ज्यादा चुप रहने का आरोप लगा है, ऐसी कोई कमी लगती है कि आपको वहां बोलना था और आप नहीं बोल सके?

उन्होंने इसके जवाब में कहा कि जहां तक बोलने का सवाल है, जब भी जरूरत पड़ी है, पार्टी फोरम में मैं बोला हूं और आगे भी बोलता रहूंगा। मनमोहन सिंह जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तो लोग उन्हें एक गैर राजनीतिक, साफ छवि वाले अर्थशास्त्री के तौर पर देख रहे थे। उनसे पूछा गया कि आगे लोग उन्हें किस रूप में देखें?

उनका कहना था कि मैं जैसा पहले था, वैसा ही आज भी हूं। इसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। मैंने पूरे समर्पण और ईमानदारी के साथ देश की सेवा करने की कोशिश की है। मैंने कभी अपने दफ्तर का इस्तेमाल अपने मित्रों और रिश्तेदारों के फायदे के लिए नहीं किया।

मनमोहन सिंह सरकार पर विपक्ष का यह आरोप होता था कि वो सोनिया गांधी या राहुल गांधी के इशारे पर चलती है।

इस सवाल पर मनमोहन सिंह ने कहा कि इसमें कोई नुकसान नहीं है। पार्टी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को लगता है कि उनका कोई नजरिया सरकार की सोच में झलकना चाहिए तो इसमें कोई बुराई नहीं है। सोनिया गांधी या राहुल गांधी सरकार की मदद के लिए ही हैं, अगर उन्हें लगता है कि सरकार में यह सुधार होना चाहिए। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मनमोहन सिंह से सवाल किया गया था कि बीजेपी और नरेंद्र मोदी (उस वक्त गुजरात के मुख्यमंत्री) आप पर कमजोर प्रधानमंत्री होने का आरोप लगाते हैं, तो उन्होंने कहा था कि वे नहीं मानते कि वे एक कमजोर प्रधानमंत्री हैं।

उनका कहना था कि यह फैसला इतिहास को करना है। बीजेपी और इसके सहयोगी को जो बोलना चाहते हैं, वो बोल सकते हैं। अगर आपके मजबूत प्रधानमंत्री बनने का मतलब अहमदाबाद की सड़कों पर निर्दोष नागरिकों का कत्ल है, तो मैं नहीं मानता कि देश को ऐसे मजबूत प्रधानमंत्री की जरूरत है।

मनमोहन सिंह के कार्यकाल में आरटीआई, मनरेगा, ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और अन्य कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण काम हुए थे। हालांकि इस दौरान आर्थिक मंदी, महंगाई और भ्रष्टाचार के आरोपों जैसी वजहों से भी उनकी सरकार परेशान रही थी। उनका कहना था कि दुनियाभर में आर्थिक संकट, यूरो जोन के संकट और दुनिया के अन्य देशों में मौजूद संकट को देखते हुए, मैं मानता हूं कि मैंने विकास के कार्यों के लिए अच्छा काम किया, जिसे हमने पिछले दस साल से बरकरार रखा है। मुझे नहीं लगता है कि हमारा कार्यकाल असफल कार्यकाल के तौर पर देखा जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनसे यह सवाल भी किया गया कि वो साफ छवि के साथ आए थे लेकिन दस साल के बाद इस छवि को कैसे देखते हैं? दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार कांग्रेस के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ ही आई है। मनमोहन सिंह ने इसके जवाब में कहा था कि लोगों ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी पर भरोसा जताया है। मुझे लगता है कि हमें लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिए। समय ही इस बात का जवाब देगा कि इस तरह के प्रयोग क्या आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों से निपटने में सक्षम हैं।

जिलाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनांतर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मण्डल स्तरीय वृहद कार्यशाला का उद्घाटन किया गया

रोजगार सृजन के अभियान को शत-प्रतिशत बनाएं सफल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनांतर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मण्डल स्तरीय वृहद कार्यशाला का उद्घाटन किया गया।उपायुक्त उद्योग द्वारा जनपद सहारनपुर के आईआईए एवं लघु उद्योग भारती संगठनों से सहयोग की अपील की गयी कि नये उद्योग स्थापित करने वाले युवाओं को अपना मार्गदर्शन दें। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कार्यशाला में उपस्थित युवाओं को कहा कि प्रदेश में निवेश का अनुकूल माहौल है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (मुख्यमंत्री युवा) योजना में शिक्षित एवं प्रशिक्षित विभिन्न ट्रेडों के इच्छुक युवक एवं युवती ज्यादा से ज्यादा आवेदन करें और भविष्य के उद्यमी बनें। यह योजना भविष्य में प्रदेश के विकास में मिल का पत्थर साबित होगी। यदि इस योजना में किसी आवेदक को किसी स्तर पर कोई समस्या होती है, तो समस्या का समाधान शीघ्र किया जायेगा। डीएम मनीष बंसल ने उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि रोजगार सृजन के इस बड़े अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाते हुए जनपद को अग्रणी जनपदों में स्थापित करना है ताकि सहारनपुर का हर युवा स्वावलम्बी बन सके। मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के संकल्प को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (मुख्यमंत्री युवा) योजना के अन्तर्गत जनपद में रोजगार सृजन की अपार सम्भावनाएं है। उन्होंने कहा कि युवाओं से अपेक्षा है कि इस

योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक आवेदन कर अपने रोजगार की स्थापना कर दूसरे व्यक्ति को भी रोजगार प्रदान करें। संयुक्त आयुक्त उद्योग द्वारा श्रीमती अन्जू रानी ने अपने संबोधन में योजना के सन्दर्भ में विस्तृत जानकारी देते हुए महिलाओं से अनुरोध किया कि अपने हुनर को रोजगार का माध्यम बनायें, ताकि आर्थिक स्वावलम्बन से अपने घर परिवार के साथ राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सके। कार्यशाला का आयोजना दो सत्रों में किया गया। प्रथम सत्र में समाधान समिति लखनऊ से आये विविध विषय विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित उद्यमी एवं औद्योगिक संगठनों के सदस्यों, विभागीय अधिकारियों एवं युवक/युवतियों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना (मुख्यमंत्री युवा) की रूपरेखा, आवेदन की प्रक्रिया, तकनीकी ज्ञान तथा परियोजना रिपोर्ट, मार्केटिंग, रॉ-मैटेरियल आदि के सन्दर्भ पीपीटी तथा विडियो के माध्यम से विस्तारपूर्वक प्रस्तुति के साथ जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त 20 प्रशिक्षुओं तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के विविध ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त 40 प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये। द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) विभाग की संचालित स्वयं सहायता समूह की दीदियों, महिला उद्यमी, जो विशेष रूप से औद्योगिक/सेवा गतिविधियों में रूचि रखती है, को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। लखनऊ से आये विविध विषय विशेषज्ञों समाधान समिति लखनऊ द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना (मुख्यमंत्री युवा) की रूपरेखा, आवेदन की प्रक्रिया, योजना के लाभ आदि की जानकारी विस्तारपूर्वक दी गयी। कार्यशाला में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर एवं शामली से आए विविध ट्रेडों में प्रशिक्षित लगभग 500 युवक एवं युवतियों का पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, संयुक्त आयुक्त उद्योग श्रीमती अन्जू रानी, उपायुक्त उद्योग, वी0के0 कौशल- प्रमुख उद्यमी अनूप खन्ना-अध्यक्ष-आईआईए, सहारनपुर चैप्टर, सहायक आयुक्त उद्योग डॉ0 बनवारी लाल उपस्थित रहे।

ख्वाजा गरीब नवाज की महफ़िल

9 सालों से सज रही उद्योग नगरी में ख्वाजा गरीब नवाज की महफ़िल

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कैमोर नगर में जिसे मिनी इंडिया के नाम से भी जाना जाता है और उद्योग नगरी के नाम से मशहूर है, जहां देश भर के सभी धर्मों सभी भाषा बोलने वाले लोग निवास करते है,इस नगर में बड़े ही शान शौकत से पिछले 9 सालों से ख्वाजा गरीब नवाज के उर्स मुबारक पर यहाँ महफ़िल का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे शामिल होने 15 से 17 जिलों के अतिथि गणमान्यजन शामिल होते है और आसपास के ग्रामीणों और सभी मजहब के लोग इस महफ़िल में शिरकत करते है और ख्वाजा गरीब नवाज के चादर को चूमते है और मुरादे मांगते है। कैमोर से चलकर यही चादर अजमेर शरीफ में ख्वाजा गरीब नवाज के दरगाह पर बड़े धूमधाम से पेश की जाती है,आज के

आयोजन में मध्यप्रदेश हज कमेटी के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रफ्त वारसी स्वयं शामिल हुए और राजनैतिक दलों के भाजपा काँग्रेस व अन्य दलों से नेताद्वय भी शामिल रहे है। देश के नामचीन कव्वालों ने महफ़िल को सजाया तो वही भोपाल के बैंड पार्टी ने देश भक्ति के धुनों के साथ ख्वाजा के शान में अपनी धुंन को बजाया। कार्यक्रम के साथ साथ भंडारा का आयोजन भी किया गया जिसमें हजारों लोगों ने भोजन किया व प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के संयोजक इंजीनियर नवाब खान ने सभी आगन्तुको को हृदय से स्वागत किया व आभार जताया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में व्यापार बंधु की बैठक हुई आयोजित

व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता से करें निस्तारण - डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर उन्होंने व्यापार बंधुओं द्वारा उठायी जाने वाली समस्याओं से अवगत होने के बाद उसके गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जाम की समस्या के बचाव के दृष्टिगत सब्जी मण्डी पुल पर दुकानों के सामने सड़क पर फल व सब्जी की रेहडी लगाने वाले और लगवाने वालों को चिन्हित कर उनके

चालान काटने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। नगर निगम द्वारा लगाए गए सभी सीसीटीवी कैमरों को पूर्ण रूप से चालू करने के निर्देश दिए। डीएम मनीष बंसल ने क्लार्क होटल चौराहे से सिविल हॉस्पिटल की तरफ जाने वाली सड़क पर खराब पडी स्ट्रीट लाइट को यथाशीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए। तोता चौक पर लगे ट्रांसफार्मर की शिफ्टिंग के लिए नगर निगम को स्टीमेट बनाकर विद्युत विभाग को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी बैठक में आने वाले बिंदुओं पर लिखित रिपोर्ट सबमिट करने के साथ- साथ बैठक में लेकर भी आएं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नगर अभिमन्यु मांगलिक, संयुक्त आयुक्त राज्यकर अमित पाठक, अपर नगर आयुक्त, हरपाल सिंह वर्मा, नुसरत साबरी, रमेश अरोड़ा सहित अन्य व्यापारी बंधु तथा संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बिजली कनेक्शन न होने के बावजूद विद्युत निगम ने एक ग्रामीण का एक लाख रुपये से अधिक का बिल भेजा

मामले को लेकर भाकियू संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारी पीड़ित को साथ लेकर एसडीएम से मिले और ज्ञापन सौंपा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, बिजली कनेक्शन न होने के बावजूद विद्युत निगम ने एक ग्रामीण का एक लाख रुपये से अधिक का बिल भेज दिया। मामले को लेकर भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारी पीड़ित को साथ लेकर एसडीएम से मिले और ज्ञापन सौंपा। संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता हाजी अब्बास के नेतृत्व में पदाधिकारी उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एसडीएम दीपक कुमार को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि फुलास अकबरपुर गांव निवासी ग्रामीण जाहिद के यहां बिजली का कनेक्शन नहीं है। लेकिन इसके बावजूद निगम ने उसे एक लाख रुपये से अधिक बिल भेज दिया।

वह इसको लेकर लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहा है। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। इसके साथ ही ज्ञापन में नगर में बढ़े हुए गृहकर को कम करने, किसानों को समय से गन्ना भुगतान कराने, स्वामी नाथन रिपोर्ट को लागू कराने, एमएसपी के मुताबिक फसलों की खरीद कराए जाने आदि मांग रखी गई हैं। इस मौके पर डॉ. रमीज गुलबहार, दिलशाद, रिजवान, राजू, शहजाद, इकरार, भूरा, शाहआलम, फरमान, नसीम आदि मौजूद रहे।

अजब एमपी का गजब शिक्षा विभाग, एक छात्र को पढ़ा रहे चार शिक्षक

एडमिशन 6 का लेकिन रेगुलर केवल एक

सतना, मध्य प्रदेश के सतना जिले की शिक्षा व्यवस्था के बुरे हालातों के किस्से तो आपने सुने ही होंगे। आलम ऐसा है कि किसी विद्यालय में बच्चे स्कूलों में गैर हाजिर है तो किसी विद्यालय में शिक्षक नहीं हैं। वहीं, किसी स्कूल में छात्र नहीं है तो किसी विद्यालय में शिक्षकों की भरमार है। एमपी में जहां शिक्षक स्कूल ज्वाइनिंग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहां, स्कूलों में शिक्षक ही शिक्षक हो सुनकर हैरानी हो रही होगी। लेकिन ऐसा गजब सतना में हुआ है। दरअसल, मामला एमपी के सतना जिले अन्तर्गत नागौद जनपद के संकुल जसो में स्थित बमुराहिया गांव के शासकीय

माध्यमिक विद्यालय का है। यहां केवल 6 बच्चों का दाखिला हुआ है, जिनमें से पांच बच्चे नाम मात्र के हैं। इनमें केवल एक बच्चा नियमित रूप से विद्यालय आता है। वहीं, विद्यालय के शिक्षकों की भरमार है। यहां 6 बच्चों को पढ़ाने के लिए चार शिक्षक पदस्थ हैं। बच्चों के नहीं आने से उन्हें भी मुफ्त का वेतन प्राप्त हो रहा है। 6 छात्रों में एक ही रेगुलर आ रहा स्कूल विद्यालय में अध्ययन कर रहे 6 छात्रों में से एकमात्र छात्र प्रतिदिन अध्ययन के लिए विद्यालय आता है। वह भी वर्तमान समय में छमाही परीक्षा भी दे रहा है। ऐसा दृश्य देख जिले की शिक्षा व्यवस्था पर काफी सवाल खड़े कर रहा हैं। कुछ महीनों पहले इस विद्यालय में मर्जर की प्रक्रिया भी हुई, जिसमें अतिरिक्त शिक्षकों को हटाकर ऐसे स्थान पर तैनात किया गया जहां छात्रों की संख्या अधिक है।

जिला मुख्यालय बनने के बाद से अब तक नहीं बना भाजपा अध्यक्ष

नेताओं की कुटिल चालों से पराजित हुआ अनूपपुर राजेश शुक्ला

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, भारतीय जनता पार्टी बूथ स्तर के चुनाव उपरांत मंडल अध्क्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी करते हुए संगठन पर्व 3 के तहत जिलाध्यक्ष चयन की प्रक्रिया से गुजर रही है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के मार्गदर्शन में जिलाध्यक्षों हेतु सभी जिलों में दो दिन में राय शुमारी की प्रक्रिया पूरा कर लिया गया हैं। अनूपपुर भाजपा जिलाध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। जिलाध्यक्ष बनने के लिये इच्छुक लोगों की भीड़ बडी होने से गुटबाजी और नेताओं के इर्द - गिर्द लामबंदी भी दिख रही है। पुष्पराजगढ विधानसभा क्षेत्र के हीरासिंह श्यान के पक्ष में मंत्री दिलीप जायसवाल और कोल विकास प्राधिकरण के दर्जा प्राप्त मंत्री रामलाल रौतेल लामबंदी कर रहे हैं। जनजातीय युवा चेहरा के नाम पर यह समीकरण सांसद हिमाद्री सिंह,पूर्व विधायक सुदामा सिंह सिंग्राम और जनजातीय नेता जिला पंचायत सदस्य नर्मदा सिंह को उन्ही के गढ में घेरने की कवायद माना जा रहा है। अमरकंटक से जुड़े सूत्रों के अनुसार यहाँ स्थित एक न्यास में हुई गुप्त बैठक में यह रणनीति बनाई गयी। जबकि अध्यक्ष के सर्वाधिक दावेदार कोतमा और अनूपपुर से बतलाए जा रहे हैं। अनूपपुर जिला मुख्यालय से अध्यक्ष का चयन रामलाल रौतेल को कभी

पसंद नहीं आया। जैतहरी के अनिल गुप्ता, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष स्व.ओमप्रकाश द्विवेदी, वासुदेव जगवानी, ब्रजेन्द्र पंत, ओमप्रकाश मिश्रा, सत्येन्द्र सिंह परिहार, प्रेमनाथ पटेल,उमेश पटेल, मनोज द्विवेदी, अरुण सिंह, प्रवीण सिंह, गजेन्द्र सिंह, भूपेन्द्र सिंह, चंद्रिका द्विवेदी,रामनारायण उर्मलिया जैसे योग्य नेताओं को अध्यक्ष पद से लगातार दूर रखने की कोशिश की गयी। इनमें से ओमप्रकाश द्विवेदी ,अनिल गुप्ता सहित अन्य नेताओं की योग्यता, समर्पण और विचारधारा पर किसी को कोई शक नहीं था। जनजातीय क्षेत्र होने के कारण सांसद, विधायकों, जिला पंचायत अध्यक्ष पद हेतु इसी वर्ग को अवसर मिलता रहा है। इसके बावजूद संगठन निर्वाचन में पहले जय सिंह मरावी और फिर लगभग सात वर्ष तक रामदास पुरी को अध्यक्ष बनाए रखा गया। इसके चलते कुछ नेता स्वर्गवासी हो गये और कुछ पार्टी सीमा रेखा से बाहर हो गये। 2003-2024 के बीच एक भी बार अनूपपुर जिला मुख्यालय से भाजपा का अध्यक्ष नहीं बनाया गया। 2024 के संगठनात्मक चुनाव मे अध्यक्ष हेतु उम्र की नई सीमा तय करने और जिलाध्यक्ष दोबारा ना बनाने के नियम के हवाले से नये व्यक्ति को अवसर मिल सकता है। लेकिन इसके लिये वरिष्ठ नेता दिलीप जायसवाल, बिसाहूलाल सिंह, हिमाद्री सिंह,रामलाल रौतेल अपने स्वार्थ ,हितलाभ से कितना समझौता करेगे, यह देखना होगा। कोतमा से प्रमुख पिछड़ा चेहरा प्रेमचंद यादव, आधाराम वैश्य, ज्योति सोनी, मोहिनी वर्मा के साथ मनोज द्विवेदी, राम अवध सिंह, हनुमान गर्ग, अखिलेश द्विवेदी, प्रभात मिश्रा ,अजय शुक्ला, लवकुश शुक्ला की योग्यता, कार्यकुशलता किसी नेता से कम नहीं है। लेकिन इनमें से सभी लोग कोतमा विधानसभा के प्रबल दावेदार रहे हैं। इनमे से किसी को भी अध्यक्ष बनाना मंत्री दिलीप जायसवाल को रास नहीं आएगा। ऐसी ही तस्वीर अनूपपुर विधानसभा की है। यह जनजातीय वर्ग के लिये आरक्षित होने के बावजूद जिला मुख्यालय से किसी नेता का जिलाध्यक्ष बनना यहाँ के स्थापित नेताओं को रास नहीं आता। यही कारण है कि चेहरे, अवसर और योग्यता होने के बाद भी आज तक जिला मुख्यालय अनूपपुर का कोई भाजपा नेता जिलाध्यक्ष नहीं बनाया गया। अब देखना यह होगा कि 21 वर्ष से स्थानीय वरिष्ठ नेताओं द्वारा इस स्थापित षडयंत्र को तोड़ने में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा कितने सफल होते हैं। जिलाध्यक्ष हेतु बुधवार को हुई राय शुमारी में वीरेन्द्र गुप्ता एवं भगत् सिंह से भेंट कर कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय अनूपपुर से नया जिलाध्यक्ष बनाए जाने की मांग की है।

छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल टला, पर पद लेने की जुगत पूरे ज़ोरों पर

राजीव खरे । सिटी चीफ

रायपुर, छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएँ जोरों पर हैं। वर्तमान में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में 12 मंत्री कार्यरत हैं, जिसमें से बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफ़े के बाद एक जगह और ख़ाली हो गई है।हरियाणा फार्मूले के अनुसार राज्य में सीएम के अलावा अधिकतम 13 मंत्री बनाए जा सकते हैं। याने कुल 3 मंत्रियों को और केबिनेट में जगह मिल सकती है। मुख्यमंत्री साय ने संकेत दिया है कि नगरीय निकाय चुनावों के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार संभव है। उन्होंने कहा,हम नगरीय निकाय चुनावों के बाद मंत्रिमंडल विस्तार पर विचार करेंगे। सूत्रों के अनुसार, इन रिक्त मंत्री पदों के लिए छह दावेदारों के नाम चर्चा में हैं। इनमें से कुछ नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। चर्चा में आ रहे नामों में राज्य भाजपा अध्यक्ष किरण सिंहदेव , गजेन्द्र यादव, विधायक उत्तर रायपुर पुरंदर मिश्रा, नव निर्वाचित विधायक सुनील सोनी तथा वरिष्ठ पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, राजेश मूणत व अजय चंद्राकर के नाम ज़ोरों पर चर्चा में हैं। किरण सिंहदेव अभी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। यदि किरण सिंहदेव मंत्री बनते हैं तो

शिवरतन शर्मा और अनुराग सिंहदेव में से किसी एक को प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने की संभावना है। वैसे प्रदेश अध्यक्ष के लिये सौरभ सिंह का नाम भी चर्चा में बताया जा रहा है। मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं के बीच, भाजपा प्रदेश कार्यालय में गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता संभावित विस्तार को लेकर रणनीति बना रहे हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी विस्तार में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन का ध्यान रखा जाएगा, ताकि आगामी चुनावों में पार्टी की स्थिति मजबूत हो सके। नगरीय निकाय चुनावों के परिणामों के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह विस्तार राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भाजपा नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही खबरों पर कोलगवां थाने में शिकायत दर्ज

सतना, भाजपा जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाई जा रही अनर्गल खबरों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा की अगुआई में पार्टी कार्यकर्ता कोलगवां थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में भाजपा नेताओं ने कहा कि सोशल मीडिया पर पार्टी और नेताओं की छवि धूमिल करने की साजिश रची जा रही है। इस पर थाना प्रभारी ने मामले की गंभीरता को समझते हुए आश्वासन दिया कि कानून के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोर देकर कहा कि इस तरह की अफवाहें न केवल पार्टी की साख को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि समाज में भी गलत संदेश दे रही हैं। भाजपा नेताओं ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी ने कहा कि शिकायत की जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विधायक अनुभा मुंजारे ने दी विकास कार्यों की सौगात

लालबर्रा बालाघाट में बहेगी विकास की गंगा

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, बालाघाट लालबर्रा विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा ग्रामीण अपने क्षेत्र अंतर्गत विधायक विकास निधि से लाखों रुपए के विकास कार्यो की सौगात दी गई है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए बालाघाट विधायक कार्यालय से निज सहायक श्री निराला सिंह बघेल एवं लालबर्रा विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी ने छेत्रीय जनप्रतिनिधियों व आम जनता की मांग पर अनेको कार्य की सौगात प्रदान की है जिसमें बालाघाट नगर पालिका के वार्ड 2 में राकेश चाटी के मकान के पास विधुत पोल विस्तार कार्य, वार्ड क्र 2 बालाघाट में ही नवनीत वराड़े के मकान के पास विद्युत विस्तार कार्य,ग्राम पंचायत बांदरी में तोरण द्वार,ग्राम पंचायत नेवारगांव (वा.)में तोरण द्वार, ग्राम पंचायत धारावसी में तोरण द्वार,ग्राम पंचायत पाथरशाही में तोरणद्वार,ग्राम पंचायत बुट्टा हजारी में तोरण द्वार,ग्राम पंचायत कटंगझरी के वार्ड 18 में सभामंच निर्माण,ग्राम पंचायत बम्हनी के पोटियापाट में सभामंच,ग्राम डोरली के प्राथमिक शाला परिसर में सभा मंच,ग्राम बघोली के महात्मा ज्योतिभा फुले प्रतिमा स्थल के पास सभा मंच,ग्राम पंचायत सल्हे के वार्ड 11 ग्राम खैरगोंदी में सभामंच,ग्राम पंचायत देवरी के वार्ड 4 में सभा मंच निर्माण, ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द के ग्राम सल्हेबर्डी में सभा मंच निर्माण, ग्राम पंचायत मंझापुर के

वार्ड 1 में टीकाराम बागड़े के मकान के पास सभा मंच,ग्राम पंचायत पांढ़रवानी के ग्राम रामजिटोला माता मंदिर के पास सभामंच एवं उत्कृष्ट विद्यालय के सामने बिरसा मुंडा चौक मूर्ति स्थल पर सभामंच निर्माण,ग्राम पंचायत कोपे के शिव मंदिर के पास सभा मंच निर्माण,ग्राम पंचायत नेवरगांव वा के वार्ड 18 में गोठान के पास सभा मंच,ग्राम पंचायत खारी में गजेन्द्र सर्वे के मकान के पास सभामंच निर्माण, ग्राम पंचायत खिर्री के गाँधी चौक पर सभामंच,ग्राम पंचायत चिल्लौद के शिव मंदिर के पास सभामंच निर्माण,ग्राम पंचायत घोटी में सभा मंच निर्माण,ग्राम पंचायत मोहगांव (ध) में तोरणद्वार,ग्राम पंचायत रानीकोठार में तोरण द्वार,ग्राम पंचायत मुरझड़ में तोरण द्वार, ग्राम पंचायत खामघाट में तोरण द्वार,ग्राम पंचायत बल्हारपुर में तोरणद्वार कार्य स्वीकृत किये गए हैं उक्त कार्यो की स्वीकृति पर क्षेत्र के समस्त नागरिकों ने विधायक अनुभा मुंजारे का आभार जताते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

छत्तीसगढ़ में पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव बैलेट पेपर से होंगे

ईवीएम का इस्तेमाल नहीं

राजीव खरे । सिटी चीफ

रायपुर, छत्तीसगढ़ में आगामी पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव इस बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय बैलेट पेपर से कराए जाएंगे। छत्तीसगढ़ में शहरी निकाय और पंचायत चुनावों की तैयारी ने जोर पकड़ लिया है. इन चुनावों का आयोजन सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं से पहले किया जाना है। राज्य के शहरी प्रशासन मंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को ऐलान करते हुए कहा कि, इस बार पारंपरिक बैलेट पेपर प्रणाली से मतदान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि ईवीएम की तैयारी में हो रही देरी के कारण यह निर्णय लिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, इतनी बड़ी संख्या में ईवीएम की व्यवस्था में समय लगने की संभावना को देखकर राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। बैलेट पेपर का इस्तेमाल जनता के विश्वास को और बढ़ाएगा और इस संबंध में प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया जा रहा है। चुनाव प्रक्रिया में बदलाव इस बदलाव के साथ मतदाताओं को अब मतदान केंद्रों पर जाकर बैलेट पेपर पर अपने प्रत्याशी के नाम के आगे चिह्न लगाना होगा। इसके लिए निर्वाचन आयोग ने सभी जिलों में बैलेट पेपर की छपाई और वितरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

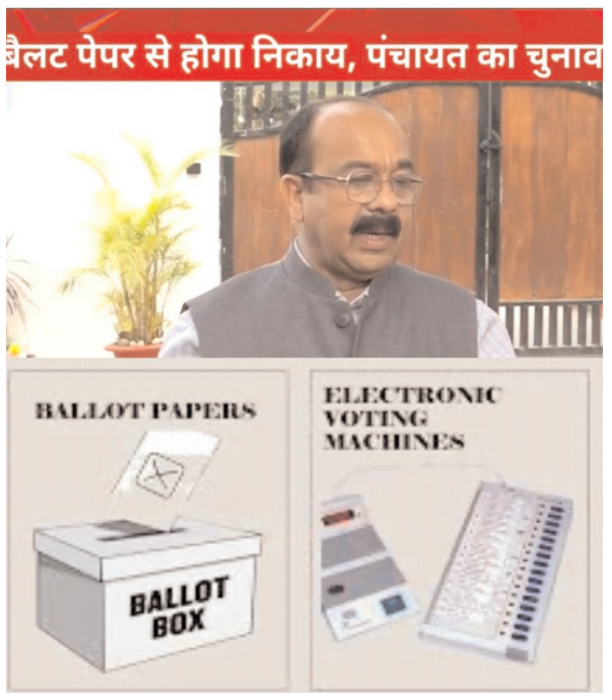

राजनीतिक प्रतिक्रियाएं

राजनीतिक दलों ने इस निर्णय पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।कांग्रेस ने इसे जनता के हित में लिया गया कदम बताया और कहा कि इससे चुनावी प्रक्रिया में भरोसा मजबूत होगा। जबकि भाजपा ने इसे चुनावी प्रक्रिया को वर्तमान परिस्थितियों में उचित कदम कहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा है कि बैलेट पेपर के इस्तेमाल के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, मतदान प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए विशेष निगरानी तंत्र स्थापित किया जाएगा। चुनाव आयोग जल्द ही नगरीय निकाय चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगा। राज्य में पंचायत व नगरीय निकायों के लिए जल्द चुनाव होने जा रहे हैं, जिनमें नगर निगम, नगर पालिका और नगर व ग्राम पंचायत शामिल हैं। इस निर्णय के साथ छत्तीसगढ़ एक बार फिर पारंपरिक मतदान प्रक्रिया की ओर लौटता दिखाई दे रहा है, जो चुनावी प्रक्रिया में नई बहस को जन्म दे सकता है।

राजधानी रायपुर के 11 वर्षीय आदित्य राजे ने भारत सरकार के रक्षा मंत्री से की मुलाकात

राजीव खरे । सिटी चीफ

रायपुर, पर्यावरण मित्र डॉ. आदित्य राजे सिंह ने भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके लखनऊ आवास पर मुलाकात कर उनका आशीर्वाद पाया द्य 11 वर्षीय डॉ. आदित्य राजे ने बड़े होकर एक वैज्ञानिक के रूप में भारतीय रक्षा प्रणाली के साथ काम करने की अपनी इच्छा के बारे में चर्चा की और पर्यावरण और योग के क्षेत्र में 5 वर्ष की उम्र से लगातार किए जा रहे अपने कार्यों के बारे में भी रक्षा मंत्री जी को अवगत कराया। आदित्य राजे ने विश्व पर्यावरण दिवस 2024 पर सेना के जवानों और सेना के साथ आयोजित अपने इस वर्ष के पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के अभियान के बारे में भी बताया। रक्षा मंत्री ने आदित्य राजे सिंह के द्वारा किए जा रहे कार्यों को सराहा एवं प्रसन्नता जाहिर की । इतनी कम उम्र में उनकी इतनी सारी उपलब्धियों तथा गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे कम उम्र के पीएचडी धारक के रूप मे नाम दर्ज होने पर उन्हें बधाई दी ,

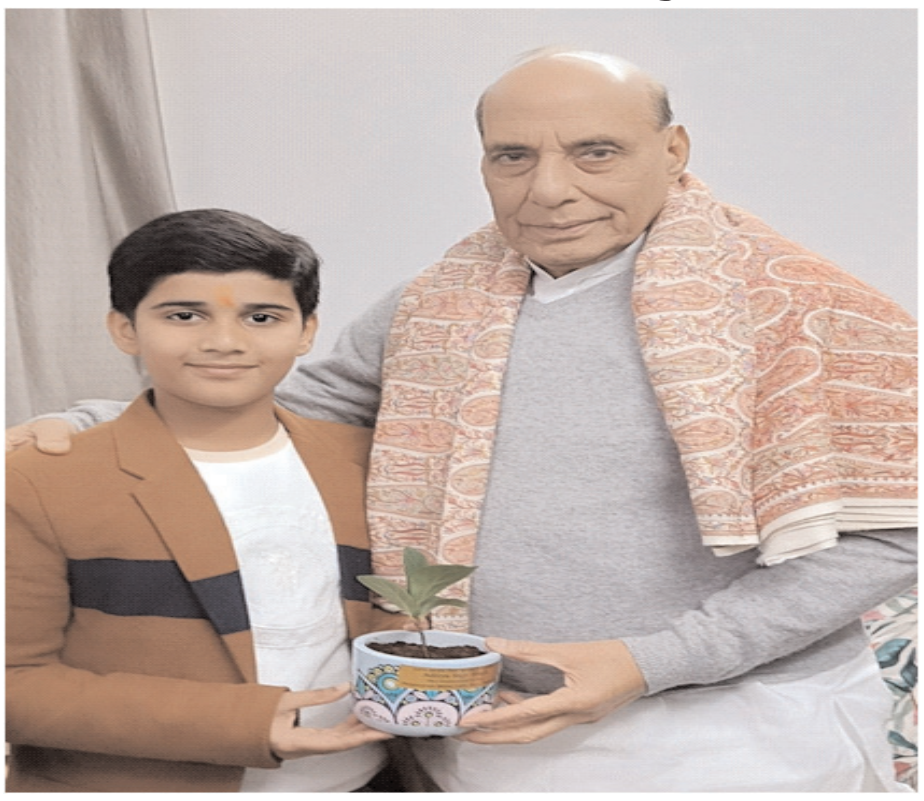

उन्होंने आदित्य राजे सिंह को शॉल देकर सम्मानित किया , पर्यावरण मित्र आदित्य राजे ने भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पौधा देकर उनका आशीर्वाद लिया और उन्होंने कहा की आज उन्हें अपने जीवन के आदर्श से मिलकर बहुत प्रसन्नता हुई ।

प्रधानमंत्री देंगे छत्तीसगढ़ के 50 हजार से अधिक लोगों को भूमि का मालिकाना हक

राजीव खरे । सिटी चीफरायपुर, छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को प्रदेश के 17 जिलों के 50 हजार से ज्यादा निवासियों को भूमि का मालिकाना हक प्रदान करेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन डिजिटल माध्यम से किया जाएगा, जिसमें लाभार्थियों को अधिकार पत्र (पट्टा) सौंपे जाएंगे। यह योजना राज्य सरकार और केंद्र सरकार की संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य उन ग्रामीण और शहरी निवासियों को कानूनी अधिकार देना है, जो लंबे समय से भूमि पर काबिज हैं लेकिन उनके पास उसका कानूनी दस्तावेज नहीं है। इस योजना के तहत वे लोग लाभान्वित होंगे, जो भूमि पर वर्षों से निवास कर रहे हैं लेकिन उनके पास स्वामित्व का अधिकार नहीं था। इसके माध्यम से उन्हें न केवल भूमि का कानूनी स्वामित्व मिलेगा, बल्कि बैंक से ऋण लेने और अन्य योजनाओं का लाभ उठाने की सुविधा भी मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर लाभार्थियों को संबोधित भी करेंगे। कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उनका संवाद होगा, जिसमें वे इस योजना के महत्व और इसकी भविष्य में आने वाली संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक सुधार माना है। उनका कहना है कि भूमि के मालिकाना हक से लोगों की आजीविका, आवास और वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम के लिए लाभार्थियों और अधिकारियों में उत्साह का माहौल है। यह कदम छत्तीसगढ़ के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।

कोंडागांव की हेमवती नाग को जूडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मिला प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

राजीव खरे । सिटी चीफ

कोंडागांव, छत्तीसगढ़ की प्रतिभाशाली जूडो खिलाड़ी हेमवती नाग ने पूरे प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया। यह पुरस्कार बच्चों को उनके असाधारण कार्यों और योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। हेमवती को यह सम्मान जूडो में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है और छत्तीसगढ़ के लिए गौरवशाली क्षण लाए हैं। पुरस्कार समारोह के दौरान हेमवती ने कहा, यह पुरस्कार मेरे लिए प्रेरणा है कि मैं अपने खेल और मेहनत को और बेहतर बना सकूं। मैं इसे अपने गुरुजनों और परिवार को समर्पित करती हूं, जिन्होंने मुझे हर कदम पर समर्थन दिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हेमवती को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने हेमवती की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता प्रदेश के अन्य युवाओं को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हेमवती नाग को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. CM साय ने कहा कि यह समस्त प्रदेशवासियों के लिए यह गर्व का विषय है। हेमवती ने कठिन परिस्थितियों में भी अपना हौसला नहीं खोया, अपनी अथक मेहनत और कड़े संघर्ष से उन्होंने खेलो इंडिया नेशनल गेम्स और राष्ट्रीय स्तर की अन्य प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का परचम लहराया है। कोंडागांव में हेमवती की इस उपलब्धि को लेकर जश्न का माहौल है। उनके परिवार और स्थानीय लोगों ने इसे गर्व का क्षण बताया। हेमवती ने यह साबित कर

दिया कि लगन और मेहनत से हर सपना साकार किया जा सकता है। हेमवती की यह सफलता छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बन गई है और उन्होंने राज्य को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है।

महिला अधिकार मंच द्वारा मुंबई से आये डॉक्टरों का फलों की टोकरी भेंट कर किया स्वागत और शिविर में बच्चों को बिस्किट फलों का वितरण

बुरहानपुर बुरहानपुर,राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत बाल हृदय रोग शिविर का आयोजन आज डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागृह में किया गया उपरोक्त शिविर में सम्पूर्ण जिले से पूर्व से चिन्हांकित एवं नए धनात्मक पाए गए हृदय रोग बच्चों की इको कार्डियोग्राफी द्वारा हृदय की जांच की गई इसके पश्चात सर्जरी के लिए पॉजिटिव पाए गए बच्चों को ऑपरेशन के लिए भेजा जाएगा उक्त शिविर में भारत के विख्यात चिकित्सालय नारायणा हृदयालय की टिम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया इसमें नारायणा हृदयालय एसआरसीसी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ प्रिया प्रधान ने सभी बच्चों का परीक्षण किया उक्त शिविर में मुंबई से आए डॉ प्रिया प्रधान का महिला अधिकार मंच की ज़िला अध्यक्ष प्रेमलता साँकले और टीम द्वारा फलो की टोकरी देकर स्वागत किया गया एवं टीम द्वारा शिविर में आय हुए स्मस्त बच्चों को फल बिस्किट वितरित किए गए उक्त शिविर का आयोजन जिला स्वास्थ्य सीमित बुरहानपुर ने किया राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रबंधक डॉ विजेंद्र सिंह ने बताया कि उक्त शिविर में 81 बच्चो का पंजीयन हुआ तथा 41 बच्चे ऑपरेशन के लिए। चिन्हित किए गए नोट :– उक्त शिविर का मुख्य आर्कषण यह था कि डुश्चद्य डुश्चद्य और ऐसे परिवार जो इनकम टैक्स भरते हे अगर बच्चा चिन्हित होता ही तो फ्री ऑपरेशन किया जाएगा एवं जिन बच्चों के माता-पिता आर्थिक रूप से असक्षम है अपने बच्चों को इलाज के लिए बुरहानपुर से बाहर अस्पताल में ले जाने में उनके लिए आने-जाने की सुविधा महिला अधिकार मंच उपलब्ध कराएगा उक्त शिविर में शासन स्तर से डॉ विजेंद्र सिंह के साथ समस्त हृड्डह्यद्य दल उपस्थित रहा महिला अधिकार मंच से जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता साँकले , रजनी गट्टानी, मंगला दुबे, अश्विनी भूमिका ,डॉ फोजिया सोडावाला आदि उपस्थित रहे मुंबई एसआरसीसी नारायणा हृदयालय से डॉ प्रिया

प्रधान पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट , देशमुख जी आदि मौजूद रहे

निः शुल्क सर्वरोग निदान शिविर 29 दिसंबर को

पूर्व सरपंच मनोहर कावड़िया की स्मृति में होगा आयोजन

झाबुआ

मेघनगर नगर में नगर के समाजसेवी पूर्व सरपंच स्व श्री मनोहरजी कावड़िया (नेताजी) की 10वी पुण्यतिथि पर रोटरी क्लब अपना के तत्वाधान में जुपिटर हॉस्पिटल बड़ौदा द्वारा नि:शुल्क सर्वरोग निदान शिविर का आयोजन आगामी 29 दिसंबर को महावीर भवन मेघनगर में आयोजित किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए रोटे. भरत मिस्त्री ने बताया कि, इस शिविर में

जुपिटर हॉस्पिटल बड़ौदा के डॉ विनीत कायथ के संयोजन में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. तुषार पटेल, न्यूरो सर्जन डॉ. अंकित शाह, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएम पांड्या, एवम गैस्ट्रो सर्जन डॉ. विजय डाबी द्वारा अपनी सेवा प्रदान की जाएगी। परिषद परिवार के देवेंद्र जैन एवम दिविक कावड़िया ने बताया कि रोटरी क्लब अपना के तत्वाधान में हमारे परिषद परिवार को भी सहयोगी संस्था के रूप में सेवा देने का अवसर मिला है। इस शिविर का समय प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक रहेगा और इस शिविर में यथासंभव मरीजों को दवाइयां भी नि: शुल्क वितरित की जाएगी। रोटरी अध्यक्ष महेंद्रसिंह सोलंकी सचिव कमलेश गरवाल, महिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्नेहलता कावड़िया, तरुण परिषद अध्यक्ष रवि जैन ने नगर वासियों से शिविर में अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है।

पी एम श्री शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भगोर पर हुआ वार्षिकोत्सव

झाबुआ

पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल भगोर पर आज वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन रखा गया। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य गीता सोनू चौहान ,अध्यक्षता जनपद सदस्य झाबुआ धन सिंह भूरिया एवं विशेष अतिथि समाज सेवी शंकर नायक, कल्लीपुरा सरपंच गुल्ला खराड़ी, भगोर सरपंच भूरी बेन भाबोर ,मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद झाबुआ सेक्टर कल्याणपुरा से राजेश बैरागी थे। मां सरस्वती के माल्यार्पण ,दीप प्रज्वलन पश्चात पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आमंत्रित अतिथियों का स्वागत शालेय स्टाफ द्वारा किया गया। स्वागत भाषण देते हुए प्राचार्य आर एस भूरिया ने विद्यालय की विभिन्न गतिविधियां बताते हुए कहा , यहां पर वर्तमान में 850 छात्र छात्र अध्ययन करते है। पिछले वर्ष 12वीं का परीक्षा परिणाम 81त्न प्रतिशत रहा। पिछले वर्ष से यहां पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ हुए हैं। हमें अतिरिक्त कक्षों की आवश्यकता है। जनप्रतिनिधि हमारा सहयोग करे । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य सोनू चौहान ने बताया कि हमारी सरकार विद्यार्थी प्रोत्साहन हेतु कटिबद्ध है, अभी शासन द्वारा 25 मेडिकल कॉलेज खोले जाने हैं और बीमा सखी योजना भी चालू हो गई है इसमें पढ़ने के बाद रोजगार हेतु ?8000 प्रति वर्ष प्रदान किए जाते हैं। जनपद सदस्य धन सिंह भूरिया ने बताया कि विद्यार्थी जीवन से ही लक्ष्य तय कर लेना चाहिए और उसी के अनुसार अपनी पढ़ाई करना चाहिए। विशेष अतिथि शंकर नायक ने बताया कि सरकार द्वारा कई योजना चलाई जा रही है। अपने समय का सदुपयोग करें और लक्ष्य प्राप्ति करें । आपने कक्षा 10वीं 12वीं में ज्यादा अंक लाने वाले विद्यार्थियों हेतु है प्रतिवर्ष 1001 रुपए देने की घोषणा भी की। अतिथियों ने निशुल्क साइकिल वितरण योजना के छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित की ओर रंगोली कला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इसके पश्चात छात्र छात्राओं द्वारा मनमोहक डांस प्रस्तुत किए गए । जिसमें गौरी पवार , परी चौहान का राजस्थानी नृत्य,अंकित बर्मन एंड पार्टी द्वारा किया गया स्टैंड डांस काफी मनमोहक रहा। विद्यालय स्टाफ से प्रधानाध्यापक भारत कुमार वर्मा , जाम सिंह नायक , लव वर्मा,राजू मावी ,रमसू अमलियार एवं सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी डाइट शाजापुर में संपन्न

शाजापुर

शाजापुर। राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार गत दिनों विकास खण्ड स्तर पर चयनित प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर रहे छात्र छात्राओं ने 27 दिसम्बर, शुक्रवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट शाजापुर में करीब 80 प्रतिभागियों में से 61 विज्ञान माडल,6 विज्ञान सेमिनार,5 लघु नाटिका एवं 8 एकल गीत प्रतियोगिता में सहभागिता की गई। इस अवसर पर उक्त जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी श्री विवेक दुबे द्वारा माँ सरस्वती की पूजा करते हुए दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा इस अवसर पर सभी उपस्थित बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए सभी का उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रवीण मंडलोई, डाइट प्रशिक्षण प्रभारी डा श्री बालेन्द्र श्रीवास्तव, वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, व्याख्याता श्री महेश भेसानिया, श्री बी एल बैरागी, श्री अशोक कारपेंटर, बीआरसी श्री योगेश भावसार, एपीसी श्री मेहरबान सिंह गुर्जर, बीएसी श्री देवेंद्र पाठक, बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता, श्रीमती हेमलता जादम, श्री सुनील विश्वकर्मा, श्री जगदीश भावसार,श्री लोकेश राठौर सहित समस्त जनशिक्षक, शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित सभी प्रतिभागी एवं निर्णायक मंडल के सदस्य उपस्थित रहें। समापन सत्र में सभी बच्चों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिसमें प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त बच्चों को भी विशेष प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।कार्यक्रम का संचालन बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता द्वारा किया गया और आभार डाइट प्रशिक्षण प्रभारी डा श्री बालेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा माना गया। उक्त जानकारी बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता द्वारा दी गई।

सहायक कलेक्टर मीना के नेतृत्व में खाचरोद की सफलता

सीएम हेल्पलाइन में 99.13 अंक के साथ प्रदेश में तीसरा स्थान

उज्जैन

उज्जैन जिले की सबसे बड़ी जनपद पंचायत खाचरोद में सहायक कलेक्टर गगन सिंह मीना की सिईओ के पद पर नवम्बर माह में पदस्थ होने के बाद पहली बार खाचरोद जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली में सुधार आया है। CEO गगन सिंह मीना द्वस् के नेतृत्व में जनपद पंचायत खाचरोद ने प्रदेश में 99.13 अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। सिईओ गगन मीना ने कलेक्टर नीरज सिंह के मार्गदर्शन में क्रियाशील ग्राम पंचायत आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन संबंधित मैदानी कर्मचारी/अधिकारी ग्राम पंचायत स्तर पर उपस्थिति सुनिश्चित कर ग्राम पंचायत के नागरिकों की समस्याओं का तुरंत निराकरण करना सुनिश्चित किया। जीसके फलस्वरूप आमजन को योजनाओं का लाभ भी मीलने लगा है। पंचायत कर्मचारियों में भी अपने कर्तव्य स्थल पंचायत कार्यालय में कसावट आई है। नीयमीत रुप से समय पर पंचायत खुलना वहां पर सभी विभागों के कर्मचारीयों की सप्ताह में दो तीन दिन उपस्थित हो रहे हैं स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई कर समस्याओ का तुरंत निराकारण करने में लगे हैं। शासन प्रशासन की योजनाओं का लाभ भी आमजन को देने में घर घर पहुंच रहे हैं।

एक और सफलता की कहानी कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी] जनपद पंचायत खाचरौद गगन सिंह मीना (सहायक कलेक्टर) के द्वारा गीताबाई पति स्व. श्री प्रकाश चन्द्रवंशी निवासी ग्राम पिपलोदा सागोतीमाता को शासन द्वारा प्रचलित योजनाओं से लाभान्वित किया गया । गीता बाई के पति की मृत्यु कुछ महीने पहले हो गई थी। हितग्राही महिला के पति की मृत्यु हो जाने से ग्राम पंचायत द्वारा संबल योजनान्तर्गत अंत्येष्टि सहायता की राशि रू 5000/- ग्राम पंचायत द्वारा प्रदाय कर दी गई है एवं अनुग्रह सहायता के लिए आवेदन संबल योजना अंतर्गत जनपद पंचायत में जमा कर दिया गया है । ग्राम पंचायत द्वारा हितग्राही महिला का कल्याणी पेंशन योजना अन्तर्गत फॉर्म भर कर जमा करा दिया गया है। साथ ही हितग्राही महिला के 3 बच्चियों के जन्म प्रमाण पत्र नहीं होने से लोक सेवा ग्यारटी अन्तर्गत जमा कराये गये आवेदन के आधार पर अनुपलब्धता का प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत द्वारा गीताबाई को दे दिया गया है। जिसके आधार पर ग्राम पंचायत द्वारा दिनांक 19-12-2024 को जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया है। इस आधार पर इनके आधार कार्ड बन सकेंगे, तत्पश्चात इन बच्चियों के सदस्य समग्र आईडी और पात्रता पर्ची दोनों में नाम दर्ज हो जाएगा। ग्राम पंचायत सचिव गोपाल धनोरा द्वारा बताया गया कि संबंधित श्रीमती गीताबाई पति स्व श्री प्रकाश चन्द्रवंशी का आवास प्रतिक्षा सूची में नाम दर्ज है, क्रमानुसार उन्हे लाभांवित किया जा सकेगा।

नाबार्ड का फोकस माइक्रो सिंचाई, खाद्य प्रसंस्करण एवं एफ़पीओ फाइनन्सिंग पर

खरगोन कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने 26 दिसम्बर को डीएलसीसी बैठक के दौरान नाबार्ड द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए तैयार की गयी पीएलपी (पोटैन्श्यल लिंक्ड क्रेडिट प्लान) का विमोचन किया। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, आरबीआई एलडीओ श्री विनय मोरे, एलडीएम श्री सुमेर सिंह सोलंकी एवं सभी विभाग और बैंक के समन्वयक उपस्थित थे। डीडीएम नाबार्ड श्री विजेंद्र पाटिल ने बताया कि खरगोन जिले के लिए 9079 करोड़ रुपये की ऋण योजना बनाई गयी हैं। यह ऋण आंकलन भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं व नीतियों में बदलाव से उत्पन्न संभावनाएँ, आधारभूत/सहायक सुविधाओं में सुधार, स्केल ऑफ फ़ाइनेंस, यूनिट कॉस्ट, सब्सिडि योजनाओं इत्यादि संभावित उपलब्धि गत वर्षो में बैंकों की उपलब्धियों, पिछले आधार स्तरीय ऋण प्रवाह को ध्यान में रख कर किया गया हैं। कृषि क्षेत्र के लिए 6704 करोड़, एमएसएमई क्षेत्र के लिए 1845 करोड़ रुपये तथा अन्य प्राथमिकता क्षेत्र के लिए 528 करोड़ रुपये का आकलन किया गया है। कृषि मियादी ऋण 2027 करोड़ रुपये का आँकलन किया गया है जो कुल कृषि ऋण का लगभग 30 प्रतिशत है। वर्ष 2025-26 के लिए नाबार्ड ने एस एच जी / जे एल जी वित्तपोषन, सिंचाई सुविधाओं में विस्तार, वेयरहाउसिंग, डेयरी विकास में सुधार, कृषक उत्पादन संगठन इत्यादि जैसे क्षेत्रों पर ज़ोर देने की आवश्यकता जताई हैं। उच्च मूल्य वाली कृषि के साथ-साथ संबद्ध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली नर्सरियों, हैचरी, मछली बीज फार्म आदि की आवश्यकता है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित क्षमता को प्राप्त करने के लिए कृषि उपज और कृषि प्रसंस्कृत उत्पादों, खास कर मिर्च के विपणन चौनलों को बढ़ाने की आवश्यकता है। नाबार्ड कई विकास गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। जिसमें स्वयं सहायता समूह/ संयुक्त देयता समूह प्रोमोटिंग संस्थान, एफ़पीओ, कार्यशालाओं का आयोजन, सेमिनार, प्रशिक्षण शिविर, जल संसाधन के माध्यम से प्रकृतिक संसाधन प्रबंधन, गैर कृषि क्षेत्र के लिए ऋण आधारित प्रशिक्षण इत्यादि प्रमुख हैं। डीडीएम नाबार्ड ने सभी बैंक को फूड - एग्रो प्रोसेसिंग, एफ़पीओ फाइनन्सिंग एवं नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित बिस्टान एवं नागलवाड़ी लिफ्ट सिंचाई योजना से लाभान्वित क्षेत्रों में माइक्रो (ड्रिप/स्प्रिंकलर) इरीगेशन के लिए ऋण प्रवाह बढ़ाने पर ज़ोर दिया। कलेक्टर श्री शर्मा ने निर्देशित किया कि बैंकों, सरकारी विभागों और गैर सरकारी संगठनों को वर्ष 2025-26 के लिए जिलों में मूल्यांकित समग्र ऋण क्षमता को मूर्त रूप देने के लिए मिलकर काम करना होगा। विशेष रूप से कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में पूंजी निर्माण की गति को तेज करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए।

कलेक्टर ने तहसील कार्यालय गुना का किया औचक निरीक्षण

डिवाइडर के बीच बने हुए गैप को एक दिवस के अंदर पूरा करने के दिए सख्त निर्देश

गुना

कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह द्वारा आज तहसील कार्यालय गुना पहुंचकर राजस्व विभाग अंतर्गत किए जा रहे कार्यो की समीक्षा बैठक ली गईद्य इस दौरान किए गए कार्यों में संतोषजनक प्रगति न होने एवं रैंकिंग कम होने पर नाराजगी व्यक्त की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी पटवारी को टारगेट दिए जाएं और प्रत्येक हल्का की प्रगति रिपोर्ट बनाकर प्रतिदिन प्रस्तुत की जाए। दिए गए टारगेट के अनुकूल काम न होने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

समीक्षा के दौरान अनुविभागीय अधिकारी गुना श्रीमती शिवानी पांडे, तहसीलदार गुना श्री जी.एस. बैरवा, तहसीलदार गुना ग्रामीण श्री कमल मंडेलिया सहित समस्त राजस्व अमला उपस्थित रहा।

समीक्षा के बाद कलेक्टर द्वारा मारुति शोरूम से लेकर चिंताहरण तक के मुख्य मार्ग का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मौके पर ही पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री को सख्त निर्देश दिए कि कल तक डिवाइडर के बीच में बने हुए गैप का पूरा किया जाए। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

टेक्नोवेशन अबू धाबी में इनोवेशन से स्मोक-फ्री फ्यूचर का लक्ष्य पाने की दर पर जोर डाला गया

इंटरनेशनल डेस्क: भारत = फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल (पीएमआई) ने हाल ही में अबू धाबी में अपने 10वें टेक्नोवेशन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और विज्ञान द्वारा धूम्रपान (स्मोकिंग) की दरों को तेजी से कम करने में निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका पर फोकस किया गया। यदि ऐसा होगा, तो सभी का भविष्य बेहतर बनेगा। पीएमआई के एक्जीक्यूटिव्स ने बताया कि नो-कम्बस्टन टेक्नोलॉजी के जरिये पारंपरिक तंबाकू की तुलना में कम नुकसान पहुंचाने के लिए डिजाइन किये गये विकल्पों तक पहुंच होने से स्मोक-फ्री फ्यूचर को पाने में मदद मिलेगी। आयोजन में बात करते हुए, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल के सीईओ यासिक ओल्ज़ाक ने कहा, ''सिगरेट के विकल्पों को प्रतिबंधित करना 'समय की बर्बादी' है, क्योंकि इसके प्रमाण हमारे सामने हैं कि उत्पाद के विभिन्न प्रारूप इस समस्या को तेजी से दूर करने में मददगार होते हैं। सिगरेट की बिक्री को जारी रखते हुए, लोगों को कम हानिकारक विकल्पों से वंचित रखना लगभग अनैतिक है। दुनिया के 1 बिलियन स्मोकर्स को सूचना का अधिकार होना चाहिये और यह भी कि वे कम हानिकारक विकल्प चुन सकें। ऐसे विकल्पों को अपनाने वाले देशों, जैसे कि उदाहरण के लिये जापान में पिछले 10 वर्षों में सिगरेट पीने में 45त्न से भी ज्यादा कमी आई है। अब से 10 वर्ष बाद जापान धूम्रपान से मुक्त होगा, जबकि भारत में ज्यादा स्मोकर्स होंगे। भारत तेजी से धूम्रपान छोड़ने का मौका गंवा देगा और इसका कारण होगा विज्ञान पर आधारित नीतियों को नहीं अपनाना।'' उनकी बात को आगे बढ़ाते हुए, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल में कॉमनवेल्थ ऑफ इंडिपेंडेन्ट स्टेट्स एण्ड मिडिल ईस्ट एण्ड अफ्रीका रीजन के साउथ एण्ड साउथईस्ट एशिया प्रेसिडेंट फ्रेड डे विल्डे ने कहा, ''अपनी युवा और बढ़ती आबादी के साथ ग्लोबल साउथ का भविष्य को आकार देने में बड़ा योगदान रहेगा। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दुनिया के 1 बिलियन स्मोकर्स में से 80त्न उभरते देशों में रहते हैं। धुएं से मुक्त भविष्य की ओर बढ़ने में तेजी लाने और पारंपरिक तंबाकू के इस्तेमाल से होने वाला नुकसान कम करने के लिये हम इन क्षेत्रों में सिगरेट पीने के कम हानिकारक विकल्पों को किफायती एवं सुलभ बनाकर उन्हें उपभोक्ताओं की पसंद के मुताबिक बनाना चाहते हैं। जून 2024 तक 27 देशों के लगभग 6.1 मिलियन लोगों ने कम हानिकारक विकल्पों को अपना लिया था। हालांकि यह सिर्फ शुरूआत है, क्योंकि दुनिया के वैध आयु वाले आधे से ज्यादा निकोटिन कंज्यूमर इन क्षेत्रों में रहते हैं।'' धुएं से मुक्त दुनिया की कल्पना बताते हुए, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल में ग्लोबल कम्युनिकेशंस के वाइस प्रेसिडेंट तोमासो डी जियोवन्नी ने कहा, ''पीएमआई जल्दी से जल्दी सिगरेट की जगह कम हानिकारक विकल्पों को देना चाहती है। यह विकल्प सिगरेट की तुलना में वैज्ञानिक आधार पर ज्यादा सुरक्षित प्रमाणित हुए हैं। यह पूरी तरह से जोखिम से मुक्त नहीं हैं, लेकिन सिगरेट के मुकाबले हानिकारक रसायनों से संपर्क में आना काफी कम कर सकते हैं। हमारा मानना है कि अगर आप धूम्रपान नहीं करते हैं, तो शुरू भी मत कीजिये। अगर आप धूम्रपान करते हैं, तो छोड़ दीजिये। अगर आप धूम्रपान छोड़ नहीं सकते हैं, तो फिर कम हानिकारक विकल्पों को अपनाइये।'' पीएमआई ने अपने कुछ कम हानिकारक विकल्प पेश किये, जिनमें कम्बस्टन नहीं होता है। कंपनी ने दिखाया कि जलती सिगरेट से निकलने वाले धुएं में हानिकारक रसायनों का उच्च स्तर किस तरह धूम्रपान से सम्बंधित बीमारियों का प्रमुख कारण बनता है।

भीड़ पर गाड़ी चढ़ाकर 35 लोगों की हत्या कोर्ट ने आरोपी को सुनाई मौत की सजा

इंटरनेशनल डेस्क: चीन की एक अदालत ने पिछले महीने भीड़ पर गाड़ी चढ़ाकर 35 लोगों की हत्या करने वाले व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई है। इस हमले ने सामूहिक हत्या को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर चिंता पैदा कर दी थी। दक्षिणी शहर झुहाई की अदालत ने शुक्रवार को फैन वेइकु को सजा सुनाते हुए कहा कि अपराध की प्रकृति अत्यंत जघन्य है।

अदालत ने पाया कि फैन ने अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए इस तरह का कृत्य किया, क्योंकि वह अपने तलाक के समझौते से खुश नहीं था। हमले के बाद, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्थानीय सरकारों को भविष्य में ऐसे ''जघन्य मामलों को रोकने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया था।

अदालत के बयान में कहा गया कि फैन का अपराध का उद्देश्य अत्यंत घृणित था, अपराध की प्रकृति अत्यंत घृणित थी, अपराध के साधन अत्यंत क्रूर थे तथा अपराध के परिणाम अत्यंत गंभीर थे, जिससे सामाजिक क्षति हुई। यह हमला अक्टूबर और नवंबर के अंत में चीन में हुए कई हमलों में से एक था। पुलिस ने नवंबर में बताया था कि फैन 62 साल का है।

भारत से अमेरिका के लिए वीज़ा जारी करने का नया रिकॉड

लगातार दूसरे साल 10 लाख से ज्यादा भारतीयों को मिला अमेरिकी वीज़ा

नेशनल डेस्क. भारत ने अमेरिकी वीज़ा प्राप्त करने में एक और नया मील का पत्थर हासिल किया है। 2024 में, अमेरिका ने लगातार दूसरे साल भारतीयों को 10 लाख से अधिक वीज़ा जारी किए हैं। इस आंकड़े में सबसे बड़ी संख्या पर्यटक वीज़ा की है, जो अमेरिका की तरफ भारतीयों के बढ़ते रुझान को दर्शाता है। यह आंकड़ा न केवल अमेरिका की ओर भारतीयों के बढ़ते प्रवास को दर्शाता है, बल्कि यह भारत के विकासशील व्यापार, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बढ़ते स्तर को भी दिखाता है।

स्टूडेंट्स का बढ़ता हुजूम

इस साल, भारत ने अमेरिका को सबसे अधिक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का स्रोत बनने का गौरव प्राप्त किया है। 2024 में, 3.31 लाख भारतीय छात्र अमेरिका गए, जो 2008-09 के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह आंकड़ा भारत को दुनिया भर के छात्रों के लिए शिक्षा के प्रमुख केंद्रों में से एक बनाता है। इसके साथ ही, भारतीय छात्रों की संख्या में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और ये आंकड़े लगभग 2,00,000 छात्रों तक पहुंच गए हैं। यह वृद्धि अमेरिकी उच्च शिक्षा संस्थानों में भारतीयों की बढ़ती प्राथमिकता को दर्शाती है, जहां बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर की तलाश में छात्र जाते हैं।

व्यापार और पर्यटन में वृद्धि

इसके अलावा, अमेरिकी यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले चार वर्षों में भारतीयों द्वारा अमेरिका की यात्रा पांच गुना बढ़ चुकी है। केवल 2024 के पहले 11 महीनों में, 20 लाख से अधिक भारतीयों ने अमेरिका का दौरा किया, जो 2023 की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। इसमें पर्यटन, कारोबार, और पारिवारिक कारणों से यात्रा करने वालों का आंकड़ा शामिल है। भारतीयों द्वारा अमेरिका की बढ़ती यात्रा को व्यापार, शिक्षा और पर्यटन के बढ़ते संबंधों से जोड़कर देखा जा सकता है।

प्रवासी वीज़ा की बढ़ती मांग

इस बीच, भारतीयों के पास वर्तमान में 50 लाख से अधिक प्रवासी वीज़ा हैं, जो अमेरिका में स्थायी निवास और काम करने के इच्छुक भारतीयों की बढ़ती संख्या को दर्शाता है। अमेरिका में काम करने और बसने के लिए भारतीयों की मांग लगातार बढ़ रही है, और यह प्रवृत्ति 2024 में भी जारी रही है।

अमेरिका-भारत संबंधों में मजबूती

यह वीज़ा रिकॉर्ड अमेरिका और भारत के बीच बढ़ते रिश्तों का एक स्पष्ट संकेत है। भारतीय नागरिकों के लिए अमेरिका ने वीज़ा प्राप्ति में आसानी सुनिश्चित की है, जिससे यह संभावना और भी मजबूत हो गई है कि आने वाले वर्षों में इन आंकड़ों में और वृद्धि हो सकती है। विशेषकर भारतीयों के लिए अमेरिकी वीज़ा के रास्ते को और अधिक आसान बनाने के लिए अमेरिका सरकार लगातार कदम उठा रही है।

नोटों पर दस्तखत से लेकर प्रधानमंत्री तक

भारतीयों दिलों में हमेशा रहेंगी

डॉ. मनमोहन सिंह की यादें

नेशनल डेस्क. भारत ने एक ऐसा सपूत खो दिया है जो सदियों में एक बार जन्म लेता है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का निधन भारतीय राजनीति और समाज के लिए एक बड़ी क्षति है। डॉ. मनमोहन सिंह का योगदान, उनकी विचारधारा, उनकी कार्यशैली, और उनकी समर्पित निष्ठा ने देश को न केवल एक नई दिशा दी, बल्कि उन्हें भारतीय राजनीति के सबसे सम्मानित और प्रभावशाली नेताओं में एक बना दिया। उनकी यादें, उनके योगदान और उनका सरल, विनम्र व्यक्तित्व भारतीयों के दिलों में हमेशा जीवित रहेगा। डॉ. मनमोहन सिंह का परिचय भारतीय नागरिकों के लिए सबसे पहले नोटों पर उनके दस्तखत से हुआ था। जब वे भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर थे, तब उनकी दस्तखत वाली करेंसी नोटों ने आम नागरिकों के बीच उन्हें एक परिचित चेहरा बना दिया था। इसके बाद, 1990 के दशक में जब वे भारत के वित्त मंत्री बने, तो उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। उन्होंने भारतीय आर्थिक सुधारों की शुरुआत की, और आर्थिक उदारीकरण की प्रक्रिया को तेज किया। उनके कार्यकाल में शुरू हुई आर्थिक उदारीकरण की प्रक्रिया ने भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर एक नया स्थान दिलाया।

मनमोहन सिंह का कार्यकाल केवल वित्त मंत्री तक सीमित नहीं था। जब वे प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने अपनी पहली पारी में कई ऐतिहासिक फैसले लिए। उन्होंने गरीबों, मजदूरों और किसानों के लिए कई योजनाएं शुरू की। माने गए मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) को लागू किया, जो ग्रामीण भारत के रोजगार संकट को हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसके अलावा, राइट टू इन्फॉर्मेशन (सूचना का अधिकार) और राइट टू एजुकेशन (शिक्षा का अधिकार) जैसे अहम कानून भी उनके कार्यकाल में बनाए गए। इन कानूनों ने न केवल समाज के कमजोर वर्ग को अधिकार दिए, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक संस्थाओं को भी मजबूत किया।

मनमोहन सिंह का दूसरा कार्यकाल कई चुनौतियों से भरा था। उन्हें राजनीतिक विरोधों, भ्रष्टाचार के आरोपों और गठबंधन सरकार की मजबूरियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद, उन्होंने अपनी ईमानदारी और निष्ठा से अपने कर्तव्यों को निभाया। उनका सबसे बड़ा कदम यह था कि उन्होंने अपनी सरकार को दांव पर लगाकर 2008 में अमेरिका के साथ परमाणु समझौते को पूरा किया। यह एक ऐतिहासिक फैसला था, जिसने भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक नई पहचान दिलाई। इसके साथ ही, इस निर्णय ने भारत को वैश्विक परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (ह्स्त्र) में प्रवेश का रास्ता भी खोला।

मनमोहन सिंह का करियर शिक्षा से शुरू हुआ था। उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की थी, और फिर भारत लौटकर पंजाब विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र पढ़ाना शुरू किया। उनकी गहरी समझ और विशेषज्ञता ने उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान दिलाया। बाद में, उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर के रूप में काम किया। उनका ज्ञान और दृष्टिकोण इतना व्यापक था कि वे भारतीय प्रधानमंत्री बनने से पहले भारत सरकार के आर्थिक सलाहकार भी बने थे। उनकी कार्यशैली में हमेशा एक खास बात रही। वे अपनी विनम्रता, सरलता, और ईमानदारी के लिए जाने जाते थे। उनका व्यक्तिगत जीवन भी उनके सार्वजनिक जीवन से मेल खाता था। उन्होंने कभी भी राजनीति की सीमाओं से बाहर जाकर अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया।

यह उनकी सबसे बड़ी खूबी थी कि वह राजनीतिक दबावों और तात्कालिक लाभों से ऊपर उठकर राष्ट्र के दीर्घकालिक हितों के बारे में सोचते थे। यही कारण था कि उन्हें हर पार्टी और नेता से सम्मान मिला। मनमोहन सिंह ने हमेशा यह साबित किया कि एक नेता की असली ताकत उसकी निष्ठा, ईमानदारी और देश के प्रति समर्पण में है। उनका योगदान भारतीय राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज में हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। वे न केवल एक प्रभावशाली प्रधानमंत्री थे, बल्कि एक ऐसे सच्चे कर्मयोगी थे जिन्होंने अपने कार्यों से हमेशा देश की सेवा की। डॉ. मनमोहन सिंह के जीवन में एक अद्भुत समानता थी – चाहे वह नोटों पर दस्तखत हो, अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने का काम हो, या फिर प्रधानमंत्री के रूप में ऐतिहासिक फैसले लेने का। उनका जीवन भारतीय राजनीति और समाज के लिए प्रेरणा बनकर हमेशा जीवित रहेगा। उनकी आत्मा को शांति मिले, और उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन बने।

यूके से लौटे भारतीय डॉक्टर ने खोली वेतन और काम की सचाई, कहा- अधिक काम, कम वेतन

नेशनल डेस्क. हाल ही में एक भारतीय डॉक्टर ने यूके में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया, जिसमें उन्होंने वहां की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और जीवन के वास्तविक पहलुओं पर प्रकाश डाला। कई भारतीयों ने विदेशों में बेहतर करियर और वित्तीय स्थिति की तलाश में बसने का विकल्प चुना है। यूके, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर जैसे देश अक्सर उच्च वेतन और करियर विकास के अवसरों के लिए आकर्षित करते हैं। हालांकि, कई भारतीयों को अपने इस अनुभव से कुछ कठिनाईयों का सामना भी करना पड़ता है, जिसके बाद वे अपनी मातृभूमि वापस लौटने का निर्णय लेते हैं। ऐसे ही एक डॉक्टर ने हाल ही में यूके से लौटने के पीछे के कारणों को बताया और वहां के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र और आर्थिक स्थिति की सचाई को सामने रखा। डॉक्टर ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि यूके जाने के समय उन्हें उम्मीद थी कि वहां उन्हें अच्छे पेशेवर अवसर मिलेंगे, वित्तीय स्थिरता मिलेगी, और जीवन स्तर में सुधार होगा। लेकिन वहां रहकर उन्हें जो वास्तविकता सामने आई, वह उनके लिए निराशाजनक थी। उन्होंने Reddit पर अपनी पोस्ट में लिखा, एक भारतीय डॉक्टर के रूप में, जब मैंने PLAB परीक्षा पास की और यूके में जीवन बनाने की योजना बनाई, तो मुझे लगा कि यहां पेशेवर अवसर, वित्तीय स्थिरता और जीवन की उच गुणवत्ता मिलेगी।

टिप में कम पैसे देने से था नाराज

पिज्जा डिलीवरी ब्वॉय ने गर्भवती महिला को 14 बार चाकू से गोदा

नेशनल डेस्क. अमेरिका के फ्लोरिडा में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिज्जा डिलवरी ब्वॉय ब्रायना अल्वेलो ने गर्भवती महिला को कथित तौर पर 14 बार चाकू घोंपा। 22 साल की अल्वेलो तब भड़क गई जब प्रेग्नेंट महिला ने 2 (लगभग 170 रुपए) की टिप देने से इंकार कर दिया। डिलवरी ब्वॉय ने महिला पर चाकू से एक दर्जन से अधिक वार किए, लेकिन वह बचने में सफल रही।

बता दें कि, यह घटना फ्लोरिडा के एक मोटेल में हुई, जहां महिला अपने प्रेमी और पांच साल की बेटी के साथ जन्मदिन मना रही थी और उसने पिज्जा ऑर्डर किया था। पिज्जा की कीमत कुल कीमत 33 (लगभग 2,800 रुपये) थी। महिला ने डिलीवरी ब्वॉय को छोटी सी टिप दी, जिसपर अल्वेलो भड़क गया और उसे नकारात्मक रुप से ले लिया। ओसियोला काउंटी शेरिफ के मुताबिक, अल्वेलो ने रविवार रात 10 बजे अपने एक नकाबपोश साथी के साथ मोटेल में लौटकर गर्भवती महिला पर हमला किया। इस हमले के दौरान पीड़ित महिला ने अपने बेटी को बचाने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उसकी पीठ पर वार किया। पीड़ित महिला का फोन भी तोड़ दिया। इसके बाद पीड़ित महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत अब स्थिर है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी गिरफ्तार कर लिया लेकिन दूसरा साथी अभी भी फरार है। पुलिस ने अल्वेलो पर हत्या के प्रयास, घस में घुसपैठ, मारपीट और अपहरण के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। वहीं, इस मामले को लेकर पिजा कंपनी ने खेद जाहिर करते हुए एक बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा, हम इस दुखद घटना से बहुत दुखी हैं। स्थानीय मालिक और उनकी टीम स्थानीय अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है, जिन्होंने मामले की जाँच शुरू कर दी है।

ग्राहकों और टीम के सदस्यों की सुरक्षा और भलाई हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, और हम इस घटना को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569